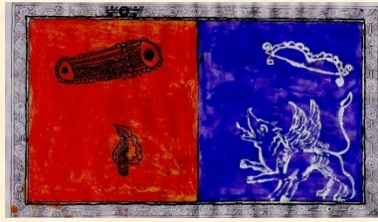


ISSN 2229-547X VIDEHA

विददः ९७७ ग गंक अश्विन ९९९ (वय ५ मास ३१ गंक
९७७)

(विदद www.vidaha.co.in)

विदद गोबिली मादिय गायलनः मानवीगिद संयुतास



विदद- बबग गोबिली दाडिद कू-दादक

संयुदकः गऊदु गऊदु



ये याचींब, सवाईकरव मुखंडित श्या कंयीबल्लर (©) श्रावकव लिखित मुनगतिव, विना
याचींब, कना गंतव, याया र्यात शर्व बर्तिर्लिंग मंदित लल्लमहंनिव, श्रववा यांतव, कना
माध्यमगं, श्रववा कनव मंगदल वा पुनश्यागव, यगाली श्राव कना कथम पुनव, म्यादन श्रववा
मंगवन-यगाबल ने कगल ऊ मंदित श्या।

(c) ୧୭ ୧୭୯୧ ମହାବିଦ୍ୟାଳୟ ମହାବିତ୍ତା ନାମସଂବିଧା ଗାନ୍ଧୀ ଭୁ ସନ ୧୭ ମେଁ ଆକାଶବାହିନୀର ଦଳ
http://www.geocities.com/.../bhalsarik_gachh.html

<http://www.geocities.com/ggajendra> गाँव लिंदियर या गढ़ना ७ कुलाल ९७ वं यात्रा
<http://gajendrathakur.blogspot.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> वन कायम
 लक्ष्मननरयण गेहिलीक यायीनतम उर्याशतक कायम विद्यमान गाँव (दिख दिन लल
<http://videha.com/2004/07/bhalsarik-gachh.html> लिंदियर यात wayback machine
 of https://web.archive.org/web/*videha 258 capture(s) from 2004 to 2016-
<http://videha.com/> नालसबिद गाव-यवम गेहिली झांग / गेहिली झांगद रायीगह्वा)

[illegible]

(c) २०१९ विद्वदः यद्वय गौडवती यादवतः कृ-यन्तवः ISSN 2229-547X VIDEHA (since 2004). मथ्यादवः गज्जु गादवः Editor: Gajendra Thakur. In respect of materials e-published in Videha, the Editor, Videha holds the right to create the web archives/ theme-based web archives, right to translate/ transliterate those archives and create translated/ transliterated web-archives; and the right to e-publish/ print-publish all these archives. बयनादवः/ संशुदकन्ता मथन गौडवः या मथवतित्त बयना/ संशुद (मंयव) उन्नवद्वायम बयनादवः/ संशुदकन्ता मथ्रः editorial.staff.videha@gmail.com दं मल मथ्यवमथ्यव मथयं यम मवत बव, मंगम या मथन मंशुद यवयय या मथन मैन वमल वल मथ्यव मथ यमवव मतः यवतित्त बयना/ संशुद मतव वःयवमल्लव बयनादवः/ संशुदकन्ताव लगम मथ्रः या उतः बयनादवः/ संशुदकन्ताव नाम न मथ्रः ततः कृ मथ्यादवधीन मथ्रः मथ्यादवः विद्वद कृ-यवतित्त बयनाव वव-मथ्रःव वःम-मथ्रःव वव-मथ्रःव नममव मथ्रःव यो मत मथ्रःव मथ्रःव मथ्रःव या मथ्रःव मथ्रःव या तवव वव-मथ्रःव नममव मथ्रःव यो मत मथ्रःव कृ-यवतित्त/ मथ्रः-यवतित्त मथ्रःव मथ्रःव यो मत मथ्रःव वःयमथ्रः/ मथ्रःमथ्रःव वःयमथ्रः न मथ्रः वः वःयमथ्रः/ मथ्रःमथ्रःव कृ-यवतित्त विद्वद न उ-व विद्वद कृ

दातृदादा मासम दू दण र्गदा निदलेत गायि अ मासदा ण्मा ङ तिद्विदा www.videha.co.in दम
क यदातित दयल अल्लत गायि।

Videha e-Journal: Issue No. 355 at www.videha.co.in



समानासुव

दयश्याक

विद्यायाति- पितृ विद्वद सन्धानसं सन्धानित ह्री दनकलात् मण्डल
ज्ञाया

मधिली ताया ऊगङ्गाननी सीतायाः ताया शमीता दनुमसः
ऊक्तवान- मानुषीमिद संश्रुतामा

शुद्धाव तमा (शाब्दव ताक्त)

तिद्वयन तमादि वाणि तसु विमिश्रवांसि दमयन्ता शुद्धाव तमावसु
ऊक्त मया वशि न दत्ता (वीतिवता युवमः दसवः ददित दत्ता।)

मान शास्त्र कयी ताम्र निमात्र कऽ शास्त्रयव (गद्य-द्वय कयी)
मंय ऊं ने बाज्जल ऊय तं यो त्रितुवनकयी इत्यम शास्त्रय वीतिकयी
तसी कना दसयता

गनुकम

यो गंदम गमि:-

आशादकीय/ गंद ९७७ दय स्थित्यली (द. ३)

आशादकीय- गऊद्व शास्त्रय (द. ९-७)

३. गंद ९७७ दय स्थित्यली (द. १-१)

९. गद्य द्दय (द. १-७७)

९. निमला कल- गमि त्रिदा (ताय- १) (द. ९-७)

୧.୧.ଜା. ବିଧିନ କ୍ରମାବ ସା- ମଦାକାବି ନାମ ସଂଗ୍ରହ କରାଯାଇ
ଗୋବିନ୍ଦୀ ଗୁଣବାଦ (ନାମ-୧) (ପୃ. ୫-୭)

୧.୧.ସଦୀୟ ନାମାୟତା ମିତ୍ର- ମାତୃଗାମି (ଉପାଧ୍ୟାୟ)- ଏକ ଲେଖ (ପୃ.
୧୧-୧୬)

୧.୬.ସମାଜିକ ସା "ସବନ"- ଲାଭ ଶାସ୍ତ୍ରୀଙ୍କ ଦାଂଡ଼ ନବାଦା ଦା ମା
ଦୟାଦେବୀ ଦେବୀ ନଗବତୀ ସ୍ଥାନ (ପୃ.୧୧-୧୭)

୧.୬.ସାମାଜିକ ଗୁଣବାଦ- କବିାନନ୍ଦ (ପୃ. ୧୭-୧୮)

୧.୬.ନବନାୟକ ଶ୍ରୀରାମାୟା "ନବନ"- ଦ୍ର ଶ୍ରୀ ବିଜ୍ଞାନ କବି (ପୃ. ୧୧-
୧୮)

୧.୮.କ୍ରମାବ ମନାଞ୍ଜ କାବ୍ୟ- ୧ ଶ୍ରୀ ଲକ୍ଷ୍ମୀକବି (ପୃ. ୧୧-୧୭)

୧.୮.ନବନ କ୍ରମାବ ସିନ୍ଧ- ବିଶ୍ଵକ ଲାଞ୍ଜ (ପୃ. ୭୧-୭୮)

୧.୧୧.ନିବ ନବନ- କବି- ସାବ୍ୟ (ପୃ. ୭୮-୭୯)

୧. ଆଜ୍ଞାତ ଗୁଣସିଞ୍ଚାବ- ବସବତ ଗୁଣ ଦତ୍ତେ ଗଞ୍ଜବତ ମନ୍ଦତମ
(ସ୍ୱ. ୬୬-୬୭)

୧. ଦୟା ଦୟା (ସ୍ୱ. ୬୮-୮୦)

୧. ଆଜ୍ଞା ବିଜ୍ଞାବ ମିତ୍ର- ବଦ୍ଧ ଉଦୟାଗ ଦିଶୁଛ ବଦନା? (ସ୍ୱ. ୬୮-
୮୦)

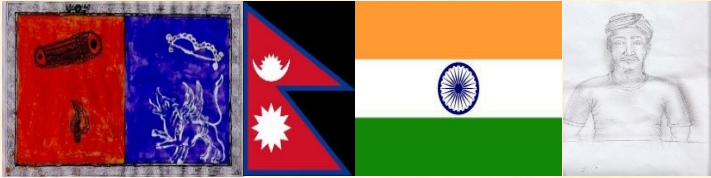
୧. ୧. ଜିବ କୁମାର ଯା ହିସ୍ତ- ୧ ହା ଦୟା (ସ୍ୱ. ୮୧-୮୭)

୧. ୧. ସମତା କୁମାରୀ- ମିହିତା ଦୟାବ (ସ୍ୱ. ୮୭-୮୭)

୧. ୬. ଜା ଜିଆଡ଼ବ ବଦମାନ ଜୟାବୀ- ୧ ହା ଗାଞ୍ଜବ ଗଞ୍ଜବ
(ସ୍ୱ. ୮୮-୮୯)

७.संस्कृत बह्व (ब. १५७)

७.छा. दीयव- यश्चमादिद्ययत्ता विलासः (द्वितीयाश्रवणः)
(ब.१९-१७)



आथादकीय/ गंत ९७७ दब हिमाली

आथादकीय- गल्लु गादब

११.गंत ९७७ दब हिमाली

गङ्गा नदी- नूतन शब्द संग्रह



गङ्गा नदी

१

साहित्य शब्दकोश, दिल्ली में हिन्दी साहित्यिक सम्मेलन

यह कार्य हमें गुरु जी की याद में तत्काल साहित्य शब्दकोश में हिन्दी साहित्यिक सम्मेलन (साहित्य शब्दकोश में हिन्दी साहित्यिक सम्मेलन) के अन्तर्गत लिखित दत्तक या तीन दत्तक गुरु साहित्यिक सम्मेलन का अन्तर्गत दत्तक मन्त्रालय अन्तर्गत हिन्दी साहित्यिक मन्त्रालय 'बाम नाम मत' के अन्तर्गत कार्य में दत्तक अन्तर्गत अन्तर्गत

दत्तक लिखित:-

1. The Secretary, All India Maithili Sahitya Samiti, Tirbhukti, 1/1B, Sir P.C. Banerjee Road, Allahabad-211 002;
2. The General Secretary, Akhil Bharatiya Maithili Sahitya Parishad, C/o Dr. Ganapati Mishra, Lalbag,

Darbhanga-846 004;

3. The Secretary, Chetna Samity, Vidyapati Bhawan, Vidyapati Marg, Patna-800 001;

4. The Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, 6 B, Kailash Saha Lane, Kolkata-700 007;

5. The Secretary, Vidyapati Seva Sansthan, Mithila Bhavan Parishar, Darbhanga-846 004;

6. The Secretary, Centre for the Study of Indian Traditions, Tantrabati Geeta Bhavan; Ranti House, Ranti, Madhubani-847 211

बो म मं कम आ ७ कन समामित्तनक मायता बद्ध कऽ दल
बल आ नीयांक कमांक ७,७ आ १ कं ऊर्द्धि दल बला शमद
९-९=१ नाकमान- "मुदायल ऊळत मबिली मादियक मूल
श्रवाक 'बाम नाम मत'क बाबत"।

(1)The General Secretary, Akhil Bharatiya Maithili Sahitya Parishad, Professors' Colony, Digahi West Opp. of Primary School,Darbhanga-846 004, (Bihar)

2) The Secretary, Chetna Samiti, Vidhya Pati Bhavan, Vidyapati Marg, Patna-800 001 (Bihar)

3) The Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, 6B,

Kailash Saha Lane, Kolkata-700 007, (West Bengal)

4) The Secretary, Vidhya Pati Sewa Sansthan, Mithila Bhavan Parishar, Darbhanga-846 004, (Bihar)

5) The Secretary, Anand, Samajik Sanskritik Sahityik Manch, Rajkumarganj (Mirzapur Chowk), Darbhanga-846 004, (Bihar)

6) The General Secretary, Mithila Sanskritik Parishad, Roseberi 5032, Sahara Garden City, Adityapur-2 Jamshedpur-831 014, (Jharkhand)

7) The General Secretary, Akhil Bharatiya Mithila Sangh, G-6, Hans Bhavan, Wing 2 I.T.O., Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi-110 002, (Delhi)

गाव वन वो मंथा मतव आनमं दल, दलितमं गतिम मेविली
दवामतवती ममितिक् गच्छमं डुडल ल मंथा मत दिवुया
दुयय लिट्पबो गमामियत्तन तं नदिय द्य गन्नि दांशम गवना
धिव डुल्लयद्व लिट्पबो गमामियत्तन डे मुदा गवद्व ददयव
वड्ड लल मत मादिय गवदमी मेविली दवामतवती ममितिक्
द्व गच्छ गव गव द्य गवन मंथा गमामियदेत गला।

रू सतह्य कृतम दमन गंणजी यादी A Parallel History of Maithili Literature म गतिलखित काल ऊ बदल गयि।

९

बल बकबल नाथ-त्रुमिक

दिखीम मेलाबंगक गकह्य समीनाबम य. मादन ताबझाऊ मूल
धाबाक आकबलायायक सञ्चाहित कऽ कदन बदल- 'मोबिलीम
गकह्य आकबल दिग ने गयि? की दम सत रे ऊकबक ने
की ऊ दमबा सतक मोबिलीम गयन गकह्य आकबल तह्य?'

मुदा मूल धाबा दिखी ग संयुक्तक आकबलम यिथी लगा कऽ
ग रू संज्ञाहित कऽ ऊ- दिखीम 'दम' 'बदुवयन' दाखग मुदा
मोबिलीम 'गकवयन'- गयन कतअक क्षतिही मानेत गयि। मुदा
समीनाब धाबाक लाविश्यायायजी रे तबदक द्वांरुग
आकबलक विकस मञ्चा आकबलक निमाल कलानि, म यालानि
ऊकं दिनकब हुमझाब यवसिक कबल समब तल गयि।

ऊना संयुक्तम दंडित ताबतक 'नीब' ग उमब ताबतक
'ऊल' दुनू यानि लल ययुक्त दाखग ग समायल संयुक्तम ऊं
गदां दंडित ताबतीयक 'गदम नीबं दीवामि' मिलवे ग उमब
ताबतीयक 'गदम ऊलं दीवामि' तं नीक मायब कदवे गयि
ने..?

आविष्कार-यं. तल आविष्कार 'ग्राम' यमिन् आविष्कार आदित्य वल
दकवल ताम्र-तमिन् (मोक्षली आदित्य) मन्त्र मायन मादित्य मन्त्र
तल गुरुवर्ग दत्तान्ता

९

ही ऊगदीन् यमाद मन्त्र ऊक उदयग्राम दंगद मादित्य गुरुवर्ग
मन्त्र दकवल ९९ मन्त्र मन्त्रानित दंगल तल विदित क-यन्त्रानित ए
दङ्गम क उदयग्राम ९९ मन्त्र क-यन्त्रानित तल या दयन क मन्त्रानित
तल विदित-मन्त्र ९९ मन्त्र। याव क दार्ढ्यविदित दङ्गवम मन्त्र
उदयन्त्र गन्त्र।

३. ईद ९७७ दब हिन्दाही

डॉ वीतिनाब रा

दिय गऊदु डी

ग्यंत विदबीत दाबीति म वजन हटायदा म गदांदा मयलता

ग्यंत दबदा गिदा गदांदा लु गनुतब गागाब गिददा अतिदा

संग माया ददादा दादी।

दाददा नुतदमनादा संग,

मादब

दमद दास (गम.बी.ग., गन.गम.गाल.गम.गम., मुयल)

नीदा दाददा गिदा गातीय गनविज्ञाबदा दादा-दादा ददबम

गऊल ददत नीदा गिदा

९.गञ्ज लक्ष्म

९.निर्मला कल- शक्ति त्रिखा (ताग- १)

९.९.डा. विद्युन कुमार सा- महाकावि नाम धर्मात् कलतावत
मोक्षिणी अनन्त (ताग-९)

९.९.बबूदु नाबायल मिह- मान्त्रिणि (इयन्त्राम)- ९म लक्ष्म

९.७.यमनन्द सा "यवन"- लाव शब्दात् दंड
नवादा दं मां दयदह्म दवी नगवती शान

९.७.बातन कुनकायवी- कबानक

९.७.नवनन्द जीवामया "ननन्"- द ह्य बीदनि कबा

९.१.कुमार मनाऊ दय्य- ९ ह्य लक्ष्मका

९.१.नन कुमार सिद्ध- बीमका लक्ष्म

९. ऐतिह्य तंदव- ददा- दान

९. आनीय गनयिज्ञाव- दमबल हस दगा दतेः गजलक मंदतम

९. निमला दल- गीत तिला (नाग- १)



निमला दल (१९७०), तिला - गस ग, नेदव -
दवाजदव, दवतज्ञा, मामव - गाणियाबी (दलदा), वन्तमान
निवास - बांवी, गवदह, गवदहं सवदव मंदिला गवं दाल
विकस सामाजिक मुबज विताग मं दाल विकस दवियाजना
ददाधिकाबी दद मंस मवानिवांस उदवान शतंत लदना

गीत तिला (नाग - १)

मूल दिदी- गगीय जितम दमाव दल/ मंदिली गनुवाद- निमला
दल

दववती मगाद दवववा गदन बाझा मंदामन दव गाकटा
दलाद । दनदव मत मतामद मदा गदन-गदन गामन दव
विज्ञमान दल दवववा द मल दव पिंता द लदीव गश

दुष्टिणायव द्वाङ्गत बल । यधानमंतीक मुख यव गंतीवता आन
बल । बाङ्ग गच्छ मत्त बाङ्ग क यबाङ्गित कs यदावती मगाद्वक
यद गदरा कs नन बलाद । कदना-कदना कथा दानव-बाङ्ग
यतिबाधक ययन कलक मुख ययनम मं गयमध यङ्ग द्वाङ्गत
बल या विद्यावलय कवेत शादि दानव-बाङ्ग क यबाङ्गित कगल
ऊङ्गत बल ।

शदि वव बाङ्गदत्त मयना दलक ऊ दानव बाङ्ग कति बाङ्ग
क पुनोती कs बदल शब्द । कति गय-तय मंस मगाङ्गित तय
युद्ध कबवाक वास मुबाङ्गक तमि यव यदायरा कs पुकल शब्द
। या युद्धायाम कs बदल शब्द गयन मना क मंग । ऊ मनि
यकबवा क गयन कश्च तलान या तुवत युद्धक कबवाक लल
तयव तs बलाद मुदा ऊदन दानव गल क मायावी त्ति मंस
मग्नी मत्त दुनक यबायत कबोलक, तदन या यितित तs बलाद
। मायावी त्ति मंस विङ्गित दायवाक लल गनका यकबक
दिश्यायक शवश्वकता दायत, ऊ बाङ्ग लग नादि बल । बाङ्ग
तs गयन दादवल या यदायमित मेय त्ति क मंग युद्ध केतल
मंस गदनि धाव मत्त युद्ध छितन बलाद । यिंताक मुश्च कबरा
येद बल । यकबा वास वव-वव दव गल यव शान्ति तनाङ्ग
बाङ्ग क शीकव नादि बल । या ययं शादि मायावी त्ति क
मालिक दामय यादेत बलाद ।

शाना तs दवगक द्वादशति मंस या वितिम त्तिम विद्याक ययान
कन दान कन बलेव । मुदा गतवा मs दुनक मंतीश्व नादि
बलेन, किगक तs ययं ऊङ्ग दानव मs यबाङ्गित तs बल बदवि
। दानव बाङ्ग कति मs दवगल मन्ति ययं ऊङ्ग यबाङ्गित तs

प्रवाल बलेब । दाल शकय शकय बाञ्चा शाकब गधीन तऽ प्रवाल
बल । लङ्गु गाव शाकब दण्डतली मात बदि बाल बलाद । गदि
दानव बाञ्च दब विञ्जय दान्न कनाल्ल गतक शामान नदि बल
।

मन्त्री गत मऽ विज्ञत मलाद कऽ बाञ्च गयन दधानमन्त्री दब
बाञ्चा-ताब माँय दलानि गा शयं दिमवान दवत कब दिता मं
तगवान विञ्च क तयया कबवा दत दधान कलानि कबल ऊ
मात मवर्त्तमान विञ्च मऽ दुनक शादि मत दिञ्चाशक दान्न
तऽ मकेत बलानि ऊकब मदायता मऽ गा तिलाक दब विञ्जय
दान्न कय मकेत बलाद । मुदा तिलाक-विञ्जय दुनक उद्दञ्च
नदि बल गा मात तू-मण्डलक निञ्चयक ज्ञामक वनऽ यादेत
बलाद ।

मत बाञ्च विज्ञ क दान्नयाग कऽ दुकबवा दिमालय दवतक ही-
जाता दलेत गाग् बल्लल ऊल्लत बलाद । माग मं गा दिमालय
मऽ निःक्षित शवाद ऊल मऽ दान्नय गंतीब वग मऽ दवादिद
दाल्लत गच्छ मनादाबिली गोबावती नदी क दलानि । शादि मं
गनकनक गच्छावा गा गंधव ऊल-वीडा कबेत बल । दूमब कत
तययी मवदक शाहम वनल बल । कत दुश्च गा गनक विहाल
बुझ मऽ गा शाहम मुज्जातित बल । मुदा बाञ्च क मान गा दुश्च
मादित नदि कऽ मकल । गा शादि शान दब नदि ददबलाद मुदब
दुश्चावली दलेत गा गाग् बल्ल बलाद ।

ଆଦି ଧବଳ-ଦୀତ ବା ମଂସ ଯୁକ୍ତା ଦିମ୍ବବାନ ଯବତ ଶ୍ରେଣୀ ଦୁନକ ନରକ
 ଦୀର୍ଘାନ୍ତ ମଂସ ଆଦୟ ଲାଗତ ଥିଲ । ଆ ଜ୍ଞାନ ଶୁନକ ନଦୀକ ଦବାଦ ମଂସ
 ଯୁକ୍ତା ଥିଲ । ନଦୀକ କଳକଳ ନିନାଦ ମଂସ ଗୁଞ୍ଜିତ ଥିଲ ଆ ଜ୍ଞାନ ।
 ଶ୍ରେତ ବାଦଳକ ମୁକ୍ତ ଧାବତା କାଶନ ଶ୍ରେତ ବୟା ମଂସ ଆହ୍ଲାଦିତ ଆ
 ଯବତ ନତ ମଂସ ଛନ୍ଦୁଧନୁସ ମନ ଶୁନକ ବା କା ବିଦ୍ୟନ ଥିଲ । ଯବତକ
 ଶ୍ରେଣୀ ମଂସ ମୁଖ ଦବ ନୁକା-ଧିଆ ଶ୍ରେତ ଥିଲାଦ । କତଦ ଶୁନକ
 ବିଦ୍ୟାଧବ କିଞ୍ଚା ମମ ଥିଲାଦ ତଃ କତଦ କିମ୍ବଦ ଗାନ ଶାଳିତ ଥିଲ
 । କତଦ-କତଦ ଗନ୍ଧବ ଆ ଶ୍ୟାବାକ ମଂଗୀତ-ନୃତ୍ୟ ଶାଳିତ ଥିଲ । ଆଦି
 ମନାବମ ଦୁଷ୍ଟ କା ଦଳିତ ଯୁକ୍ତବା ଆମ୍ବ ଦଳିତ ବଦଲାଦ ।

ଶବ୍ଦକା ଯକ ଜ୍ଞାନ ଯବ ବାଞ୍ଛା ମିତ କା ଦାଳ-ଦାଳ ଶାଳିତ ଦଳିତେ
 । ଆଦି ନିତ୍ୟ ମୁକ୍ତା ମଂସ ଶୁନକ ଗାୟ-ଦକା କା ଦବିତ ଦଳିତେ ଆ
 । ଆଦି ଗାମ ଦ୍ଵ-ତୀନ ଶାଳିତ ବିଷ ବନ୍ଧୁ କା ମିମି କାବିୟାବିତ ଆ
 ଦଳିତେ ।

ବାଞ୍ଛା କା ଦୁଶନା ମଂସ ଆଦି ଶାଳିନ ଆଦି ଉଗତ ଯବ ଶବ୍ଦକା କନା
 ମନ୍ଦାଧିକାଶ୍ରମ ଶାଳିତ । ଯକ ବିଷ ବନ୍ଧୁ ମଂସ ଦୁଶନା ଯବ ଦୁନକ
 ଶ୍ରେତ ଶାଳିନ ଯତଦ ମନ୍ଦାଧି ମୁଖ କା ଶାଳିନ ଶାଳି । ବାଞ୍ଛା ଆଦି
 ଶବ୍ଦବାକ ନିତ୍ୟ କଳିତ । ଶାଳିନ ଯାତ ମଂସ ମନ୍ଦାଧି ମୁଖ ବାଞ୍ଛା କା
 ଶବ୍ଦକା ଯମନତା ଦବକା ଶାଳିନ କଳିନ ତନ୍ତ୍ରୀତ ଦୁନକ ଯତଦ
 ଶବ୍ଦକା ଉଦ୍ଧୃତ ଦୁଶଳିତ ।

ବାଞ୍ଛାକା ଯବିତ ଉଦ୍ଧୃତ ଶାଳିନ ଯମନ ତଃ ଦୁନକ ନିକଟ ମଂସ ଶବ୍ଦକା
 ଯକ ଶବ୍ଦକା କା ଶବ୍ଦକାକନ କାବିତା । ଆ ଶବ୍ଦକା ଶାଳିନୀ ଶାଳି ମଂସ
 ଆହ୍ଲାଦିତ ଥିଲ ।

ଶବ୍ଦକା ଶାଳିକା, ମଂଗା, ମୁବତା, ଯାଦୀ ଶବ୍ଦକାକା ଶାଳିନ ଥିଲ । ଶାଳି କା
 କାଳି ମଂସ ଆ ବିଷବ ଦବତ ଯୁକ୍ତା ଥିଲ । ଶାଳିନି ମଂସ ଯକ ବମାଳିକା

दुष्कबिला दलागाल ऊ निमल डल गा कमल दल मंस दानिदल
बल । बाऊ दुकबवा मदीय नुग क गाऊ मंस गातीदि तयथा
कबवाक निमय कलेब ।

गा गयन गादाब क दानिआग कस दलान । गक दणंग दब
गाँटा तस तगवान विश्व क आन लगागाल गा तययथा मं लीन
तस बालाद । बदत दिन धीब गा गाति मुखा मं तययथा कबेत
बदलाद । तययथा क गीतम यबल मं यग मंस गायल गयबा
सबदक झाबा विज्ञ उययित कगल बाल । सामाअ मनुअ तस
गाति मं बीम कस गयन उद्वय मंस तद्वि ऊल्लतादि,मुदा
दुकबवा ऊ गलान धीब वञ्जवाबी बलाद,दुनक यब कानिक
गमब नाति यबलान । गयबा सबदक वितिग यकब कं गलील
यथा दल कस गा गनदली कबेत बदलाद । गंधव गा गयबाक
मेबुन क्रिया क दति गाँलि वंद कस लेब,मधुब गीत क गावाऊ
यब कानिक आन नाति देब । ऊल्लान दुनक सबदक झाबा
कगल बाल मत्त ययाम विदाल तस बालान,तलन मत्त गंधव गा
गयबा लाब-बाकि कस समीयय तगवान विश्वक मति क दूऊ
गयन कय गातस म वायम यगलाक यज्ञान कलादि ।

बाऊक तबीब गाव मात गयि क दणंग बति बाल बल,तलना
दुनक गयन तबीबक मुधि नाति बलेन । दुनक कानिन तयथा
मंस तगवान विश्व यमन तस बालाद,गा गयन यततुऊ विगद मं
बाऊ क समऊ यकद तस बालाद ।

"वय्ना! गयन गाँलि लाल, दम गदां मंस गयंत यमन बिकदं" -
ऊ गावाऊ मीन गनायाम दुनक नत्त कमल द्याँऊ बाल । गजद
वाली मं तगवान विश्व क मति कबस लगलाद गा । तगवान

विश्व बदलदिज्ञ -

" हम गढ़ाँक मनाबब दिय बदल बी, गढ़ाँ क बिस्व बाँझ कs
वतवै क आवस्यकता नाँद । गढ़ाँक मनाबब यूँ ह्वायत । गढ़ाँ
हिलाकक रोखय बाँझ कबब । मत देख क जीतs क सामान्य
गढ़ाँ मं ह्वायत । गढ़ाँ मंडूँ तूमंडल क शिथिलीत बनब । गढ़ाँक
जीवन मं मत बिस्व गलग आस्यजनक ह्वायत, ऊ सामान्य युवक
मं नाँद तल दते । गढ़ाँक गच्छाँगनी कथा सामान्य बमली नाँद
ह्वायत, वबन ग्याबा मं ह्वायत ग्याबा गढ़ाँक वबल श्रद्धा कबत"
तुगवान विश्वक गंतीब वाली बिस्व दबी तब गंझित बदल । द्यब
दुनक ही बिगद मंदित वाली बिलुप्त तय बाल । बाँझ बदलदं
मs हम बालिष्ठ मोदय वान तयताक धाँतमति तs बालाद ।

कमलः

अथन संतथ editorial.staff.videha@gmail.com दब दगाँडा

९.९.डा. बिबिन कामाब सा- मद्राकवि नाम खुलीत कलनाबम
मोदिली अनबाद (ताग-९)

मन्नाकावि ताम बलीत कलताबस मोबिली गनुबाद (ततीय बत्ताग)



डा. विविन कुमाव रा

(संशोधक शा संशोधक- ऊऊवी संशुत रू-ज्ञाधयलिक)

(गदि स दूव मन्नाकावि ताम कन लिखल कलताबस ऊ कलक
मनाअब्रा दन लिखल लल बायीनतम राकाँकी शब्द, संशुत स
लिखल गदि गद्य क गदि शल वित्तय तक श्रयन कयल ऊतय
मन्नाबबी कल गयन साबबी स निबदन कबेत बबि ऊतय
गुऊन बबि शातदि दमन बब काँलय कल गतावत शबिक मोबिली
कयासुन दछन बदी गदाँ सव गारू गदि स गाम्)

कलः -- गदातखल,

कलः गब ! रू कना,

गच्छाग्रतस्तर्हिनिधातनिद्रुसगात् -

योधासुवाचलबलव मन्दादवय ।

कुञ्जासदयतिर्गविकामिला ममायि

वेधयमायतिर्यतामि युञ्जकल ॥ ७॥

युञ्जकल मं दुन् यङ्क मं तस्य यदाव तला यव ऊदाव झावा शनं
क याञ्चा , झाडा, बव, शीव दावी क तबीबकऽ दृष्ट-दृष्ट कय
दल ऊक्तत शिवा ऊदाव शतुलनीय यवाकमक तुलना बाधित
यमबाऊक यवाकम म कयल ऊ मवेत शिवा यदि तबदं दमब
मन मं शाय युञ्जकल शिवा गला यव ऊ कयवता वियाक शिवा
बदल शिवा?

ताः ! कश्चम ।

शाद ! गच्छत कश्चक गच्छ।

द्वं कुन्यां समुच्यता बाधय क्ति विहृतः ।

युधिष्ठिरादयस म यवीयांसस दाडुवाः ॥ १॥

यवमतः दाही मं उच्यत तय दम बाधा क दत्ता क कय मं
बाधित तलदां यदि तबदं युधिष्ठिर शिवा दांवा दाडुयत दमब बाह्य
ताळ दताद ।

शयं म कलः कमलञ्च ज्ञातना

गुणयुक्त्या दिवसाऽयमागतः ।

निबन्धमस्य य मया हि लिखितं

युनय मातृवदनन बाधितः ॥ १॥

रू शा समय शब्द ऊक्ताव वतीञ्च दम बदत दन मं कय बदल
बलदां गुण कय युक्त्या दं दलवय बला शा समय गाङ्गा उद्यमित
नय बाल शब्दा बिम्ब दमब शस्य त्रिञ्च गाढ समय अत्र मिश्र नय
बदल शब्दा शोब दी कद् दमब माय सदा मना कन बद्धा

ता मङ्गबाहु ! नृत्यतां ममाग्रय वृत्तासः ।

त मङ्गबाहु दमब शस्य वृत्तास मुनल ऊङ्गा

नृत्यः -- ममाग्रय कृतदलमनं वृत्तासं ज्ञातम ।

नृत्य- कद् दमबा कृतदलता शब्द मुनबाक

कलाः -- दूधमव गाढं ऊमदग्नय सदातं गतवानांमि ।

कला- दादन दम ऊमदग्नय क निवदय बाल बद्धी

नृत्यः -- ततस्ततः ।

नृत्य- गाढाव बादा

कलः -- ततः,

कलः शाकब दाद

विद्युत्तावयितुञ्जुत्पादलायम

उच्चगुतावलयिनं दबतुं दधानम ।

ऊतामकां मुनिबवं नृगवंतकतं

गमा यताश्च निवत्त निवत्तः श्रिताऽयि ॥ ऐ

विजली क लता क समान जिनक ऊत्पा विडियायल बल,
उदीयमान मय क शाता म ज्वालन मुनिद्वज नृगवंतद्वज्जक
समान ऊत्तिय क नात कनिदाब दबतुबाम क निवत्त ऊ कऽ
यताम कय पुदयाय गाढा तय बालदा।

ततः -- ततस्ततः ।

ततः- शाकब दाद

कलः -- ततस्तन ऊमदगन्धन ममातीबदनं दग्धा दूष्णाऽयि,

क तवान किमर्चमितागत लीति ।

कल- शाकब दाद दबतुबाम दमबा शातीवाद दय दुबलवि क
द्वियऽ कियक गयलद गतय?

ततः -- ततस्ततः ।

तथ- शाकब बाद

का- -- तगवन् ! गदितान्मसायुर्वातिङ्गितमिच्छामीच्छुक्तवानिम् ।

का- शुक्वव! समस त्रिङ्गयदत्त कबवाक दत्त शायल श्री कू
वादि युय तस गलदां

तथ- -- ततस्तत् ।

तथ- शाकब बाद

का- -- तत् उक्ताऽहं तगवता, वाक्कलायदत्तं कविश्यामि,

न इतिश्यामिमीति ।

का- शा कदलवि दम वाक्कला त्वा क त्रिङ्ग देत श्री इतिश क
नै

तथ- -- शसि दत्त तगवतः इतिशर्वत्स्य दूववेवम । ततस्तत् ।

तथ- दां श्रुति क इतिश मंग यदितनं मं ततुता ब्रिजा

का- -- तता नादं इतिश कृत्वाशायदत्तं गदीतुमावञ्च ।

का- दम नादि कू वादि त्रिङ्ग बावस कयला

तथ- -- ततस्तत् ।

ज्ञान- शास्त्र बाल

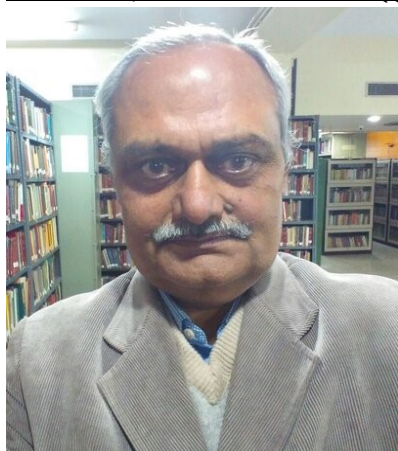
निबन्ध...

श्री बबनायक

श्रद्धा

मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com दब दगाडा

९.९.बबीश नायायल मित्र- मातृमि (इयय्यास)- ९म लेख



बबीश नायायल मित्र

मातृमि (इयय्यास)- ९म लेख

९

"शास्त्र! लोत शब्द दमस्त लखनयबक सीमाय खवत दग बदल
बी ।"

"सु शब्द कना बीय बदल बी?"

"कहू, लूदा कना कहवाक गश्च तलेक? ऊर्दि माटि-यानिम ऊग्ग ललदुं, ऊतय ननाम दासमतक मंषा लललदुं, ऊकब दादाबिम ऊउत्तीतल दिन कय माटि-यानि-कदामं ऊउल्लत बदलदुं तादि गामक कना नदि जिन्नावेक? वायुमण्डलम गामक मङ्कबक मुगंध दमिब बदल गश्च । निम्नय दममत लादी गामक गाबक लगीयम गाढा बी।"

"गदुं क ऊवाव नदि गश्च । गयन ऊग्गतीमक माटि-यानिमं गदुं क सिनद यतुंमनीय गश्च ।"

ऊयसुदं मान यडेत्त बलानि ननाक समया कतक निम्नल दल्लत गश्च ननाक मान । कना कतक दिन तीला दुनक गयना मंषा गयन ह्व लन ऊल्लत बलानि । कतक कलधीब शा मत लाट्पबम ललाल्लत बदेत बलाद । केक दिन ऊदन दारतालाम ताऊनक कना आबिगणान नदि दल्लक तं शा गयन यिताक माबयत्त मत बिबु दरणान बिना नदि मानेत बलि । कतक दब शाकबा मना कयल गलेक ऊ लू दारतालाक नियमक विबद्ध बिदा मुदा शाकबा लल धनिमन । समयक मंषा दुनक लाकानिक गायसी सिनद गदीब दल्लत गल । गालू कतक दबदक दाद ऊदन शा गयन गामक सीमानयब यदुंयलाद गश्च तं मत्तमं योदिन दुनक तीला मान यडि बदल बीन ।

"आदाय! ऊं गयन गश्चबा नदि ली तं गकट्ण गश्च कदी।"

"श्वश्रु कद् । मानक वात दमबा नदि कद्ब तं कद्बै कक्बा
। यदी लल तं दम यद्वाक मंषा यतय धीब यगलद्वा।"

"यदि कलमसं मट्पल त्रीलाक छब छेक । की थाकबासं तंर तय
मकेत यद्ब?"

"क त्रीला?"

"दमब ननाक मंगी । दमसत मंषा-मंग तमा क्षन बदी ।

"दम बुयाम कवेत बी । ताब यदि गाबक आर्दाबिम विज्ञाम कगल
ऊय ।"

भायी गामक गाबक आर्दाबिम ऊयस गा दुनकब मंषा
गागल त्रिअलाकनि मसीळत बलाद । गायाय गकट्प त्रिअक
मंषा त्रीलाक यता लणवाक दत गाग् बळलाद ।

त्रीलाक यिता ललाकक मानल वैद बलाद । दुनकब
छबाक यिति मुयस बल । वैदजीक गकमात मंतान
त्रीला बलादिन । मातूदीन मंतानक माता-यिता दुनक कऊ
गायद कग बदल बलाद। गा कमतः बट्पत ललीद । गाव दुनकब
विगद कबवाक वयस तय लल बर्लाना वैदजी बदत
मनगालदिन । मुदा त्रीला नदि मानधि । वैदजीक बिबु समाधान
नदि तट्पलनि तं थादु युय तय ललाद । कळग की मकेत
बलाद? गकमात मंतानक मादक गाग् लाक-लाऊ दाबु अट्प
लल । "ऊकबा ऊ कद्वाक छेक म कद्वा, दम यदन मंतानक

ऊन तं नदि लग सकेत बी?"-आ मान-मान सार्वधि दुनक ऊ वात दूगल बदन ऊ त्रीलाक ऊयसक संग बाली बिक । मुदा स गतक गंतबंग शिब तकब गंदाऊ दुनक कना दालतनि ? "ऊ वात मत तं सांयल-तायल बदग मगद नीका"- स आ सार्वधि । तं गकब यदा कतदु नदि कबधि । दुनक मानस दानि ऊ समयक संवा त्रीला सयं गकबा विर्माब ऊतीद आ तखन दुनकब विगाद मुयाय दबक संवा कगल ऊगत । मुदा स समय कदिआ नदि गगल । त्रीला गुआ बदि बलीद ।

आऊ गतक दिनक बाद गामक सीमानयब शिवतीद ऊयसक संग सं दानि आकब आन गगलनि । आवायकी दुनकब वात मानि गामस त्रीलाक दुआबी कबबाक दत गाग तल बदिबि बि गकटा वृद्धक दाल दुबेत बधि-

"की गदन त्रीलाक ऊनेत बिगनि?"

"गदन क बी आ त्रीलामं गदनक की दयाऊन गधि?"

"मायबब! दम बी ऊनकधामक ताबदाकंऊक आवाय । गदन बिय त्रिआ ऊयसक त्रिऊ संयन तग बालाक बाद दुनक संवा दुनक गबिगबेत गदिगाम धीब गाबि बालद ।"

"ऊ तं बदत नीक वात तल । आवायक गदन त्रिआक बात गदन मिनद तवनसं तदत ।"

"वात स नदि शिब । शसलस दुनक मंठा गकट्टा दुसुट्टाना तय
बालान ऊदि कबलमं दमबा दुनक मंठा शदि गाम धान गावग
बडला"

"दमबा बद्धत पिंता तय बद्धल शिब । सतट्टा वात द्यबिबा कय
कदा "

शाययळी दुनक सतट्टा वात कदलखिन । ऊदा
कदलखिन ऊ गामक सीमानम शबितादि ऊयसु सतमं बदिन
नीलाक यद कलान शिब गा गा दुनकमं तंट कबवाक दत
बद्धत अय शिब । स वात मुनि गा बडेत शिब-

"दम बी नीलाक पिता मधुकस । दम बैदक कऊ कबेत बी ।
गामम शदि कलममं सट्टल दमब शायवालस शिब ।"

"तखन तं दम बद्धत मदी ऊगदयब यदीय बाल बी ।"

"मुदा नीलामं तंट तं शखन संतव नदि शिबा"

"स की?"

"ऊ गकट्टा दुसुट्ट ब्रतांत शिब । कखनदं येनमं बतिगायव ।
यदिन ययन ऊयसुदं शायस कका । ययनासत बद्धत ब्राकि बाल
बी। ब्राडकल विज्ञाम कय लिण । द्यब गय-मय दतेक ।"

"ऊयसु दमब यतीऊ कय बद्धल दतादा"

"कना बात नदि दमदु आतीदि बलेत बी । मतवाटु मंवा गाल
दमब आदिगाम बल ।"

आजाय देव मधुकासक मंवा लादी गामक गाबतब मुसालत
ऊयन लग बढंवल्लाद ।

"दम बी देव मधुकासा"

"आ! बलाम कबेत बी । त्रीलाक समाजाब कद । आ नीक बबि
न?"

देव मधुकास गुग्ग बडि बालाद । दुनकब गुग्गीस ऊयन बढत
बिँतत बुरालत बलाद ।

"बढांसत दमब आदिगाम बल । द्यब आजाब गन्ध-सन्ध दतेका"

"ऊव दम त्रीलाक समाजाब नदि मुनि लव ताव कतद नदि
ऊयाव"-ऊयन बजलाद ।

आजायऊक रू बढत आन्ध्र दानि ऊ गाम गयलाक
बाद आ गयन माता-बिता वा कना हन लाकनिक बबा नदि
कय त्रीलाक द्यब बडि बाल बबि । ऊयन दुनक नदि बढल
बालनि तं दुबिय ललदिन-

"दमबा दिमाब मतमं बदिन गयन हब बल । आतय गयनक
बाबबाबक लाक बतीऊ कय बढल दताद ।"

"ततः तत्राश्रयान् दमं नदि श्री गायत्र्यम्! दमं माता-पिता वदन्त
यदिनं दमं ब्रूहि बालात् । मुनेन श्री ऊ मृच्युमं किञ्चिदनं दूष
दमं पिता बालुलं ब्रूहि -

"ऋ बालकं दमं यज्ञश्री आ यज्ञश्च विज्ञानं दत्तात् ।" स यदि
आ यदि नष्टं तत्राश्रयं आगं दमं दत्तात् दमं आश्रयं
मृच्युमं दमं मागं वदन्त दुष्टी तलीत् । आ यज्ञ-ऊल आगि दत्तात्
आ दत्तात् दमं मनशालं नदि मानलीत् । तीनमासं धीव विना
यज्ञ-ऊलं ब्रूहि । ऋ वातं ऋत्वाकं दमं बाल । लाकं
दमं मानं लागि बाल । सतं यतं दत्तात्-

"यदि समयं यदनं लाकं तत्पदं मासिकं ।"

दत्तात् दमं आश्रयं बालं आ दमं सं मम नदि तलीत् आ
दत्तात् तत्राश्रयं दत्तात् आगं दत्तात् यदि तत्रं ब्रूहि
दिनं तीतं दमं यदनं माता-पिता वदन्त दमं-आश्रयं दूष तत्र
बालं ब्रूहि । "

"ऋ तं वदं यज्ञं तल ।"-गायत्री वदन्तात् ।

ऊयज्ञं आश्रयं नाश्रयं तत्र बाल । आ विदु वदन्तात् अतिमं नदि
ब्रूहि ।

"ऊयज्ञं ऋ दत्तात् वदं तं गामं वी दमं यज्ञं? आश्रयं तन
आश्रयं वदन्त । कलीकं स आश्रयं आश्रयं कलात् आश्रयं नदि

शयन श्चयन-श्चायनक कञ्जम लागल बंदितद्वी"-शाययजी
दुबलदिन ।

दुनकब बात मनि कर जयसक बाती द्यादि लालिन । आ लाद
याडि कर कनरा लगलाद । शाययजी बहत मसमंजसम याडि
लालाद । शयमाय दावरा लगलनि ऊ बकब आदि बातमसक
यदा कलद । "जयसु सुयं विज्ञान ब्रह्मा शयन नीक-बजराक
दाबम मायि सकेत ब्रह्म । मुदा शय दी करल जरा?"- आ
मायि ।

वेद मधुकासु गतक कलधाब पुययाय मतस्या दल्लेत-
मुनेत ब्रह्मा दुनक शायब नदि बदल तलनि ।

"शुद्धं दमब आदिगाम यल । आतिदि शुद्धं सवा दागता"

"दम कतदु नदि जराब । दमबा माय दागतालायब लग यल ।
आतिदि दमबा त्राति तदुत ।"

"शीक बैक । दमसत आतिदि यली"-शाययजी बजलाद ।

जयसु दागताला लग यद्वीयतिदि मादियब दशुबत तरा
यताम कबरा लगलाद । शयन दुबजक यादि कृतिक जीलाझाब
कबबाक दतु आ कदिगाम मायि बदल बलाद । ऊनकीधामस
ताबदाकंजम विज्ञा शुद्ध कबेत दिन-बाति आ गतव यिताम
लागल बंदेत बलाद । जयसक कतक पुस गदीगाम विज्ञावान
कबेत जीवन बितथान ब्रह्मा संयाग गहन तल ऊ जयसक

सिताक ददांतक बाद दाराज्ञालाक गतिविधिम विचाम लागि बाल । ऊयम आदि समय नन बदलै । तं किछु नदि कर सकलाद । दाराज्ञाला किछु तिथिमत यवामाञ्च ययाम कदा कलनि । मुदा आ बलल नदि गंततागद्या दाराज्ञाला बंद तय बाल । विद्याही लाकनि यत्त-तत्त बलि बालाद । गाल मातां बाद आदिगाम ऊयम गयन गावायक संग गयल बबि मदी कदन श्रितम । गादि माय मुनल बनि । बाककत गजाब-गजाब दमबल दयालुत बनि । मुदा तादिसं की? दुनकब गंतमनक आति ददत बलब गबि । दुनक गदिगाम गादि ददत बाबवक बाध तय बदल बलनि ।

"गावायडी ऊमा कबव । दम तं गयनक ददत कष्ट दय दलदं । गयनक गगत की कबव छष्ट गदी दमब मवा कबगम लागल बी ।"

"गादि दत गदी पिता नदि कब । वेदडी कदेत बबि छ गदांक गादिक आति वायम तय सकेत गबि दमबा विवाबमं मतमं ददिन तकब ययाम कयल ऊय । तय कछु दालुत ददत ।"

ऊयम किछु नदि बाडि सकलाद ।

"मदी कदि बदल बबि गावायडी । दम माम दिनक तीतब गदांक नतम आति गानि कर बदव ।"-वेद मधुकत बडलाद ।

ऊयम्न प्रय बौद्ध मोन शीक्षाति दलानिन । दामबौदन
नाबसं वेदकी दुनकाब ललाऊ बाबंत दलानि ।

शयन मंतश्च editorial.staff.videha@gmail.com दब दलाऊ।

९.७.समर्तकब या "दबन"- लाव याशार्क बांडु
नवादा कं मां दयदह्ण दबी नगवती शान



समर्तकब या "दबन"

लाव याशार्क बांडु नवादा कं मां दयदह्ण दबी नगवती शान

मिहिलायल कं मनक दवित शान म मं गक नवादा कं मां
दयदह्ण दबी नगवती शान, ऊ गकल्प दामश्च त्रिज्ञायीर क

५२ कथं न जनत उल्लस गच्छ । नवादा तगवती ज्ञान दवर्तगा
 छिलात्वं वनीयुष दहंढ मं लगतग दांय किलामीट्यव उतव-दांयम
 म नवादा गांव म गवर्धित गच्छि मां दयदह्म दवी दुगा ज्ञान
 ५२ मिश्र दीप म ज्ञामिल गदह्य गाया वं वंड गच्छि गदि दुगा
 ज्ञान मं छुडल गनव माच्यता गच्छि ऊदिम मं गद गच्छि त्रिव
 दिय मती मं छुडल माच्यता गदि त्रितीयो वं वयान दवी
 तगवत दुबाल गा मन्थ दुबाल म मत्ता तह्यत गच्छि । ऊदिम
 वयान गच्छि छ मती वं वाम यश्च गतीद दमल बर्ताना ददल
 उल्लस गच्छि छ छदन मती यितावं अवदाव मं छुश्च तग वलीद
 गा यिताव झाबा गादत यक्क दवन वंड म गयन गादत दग
 दर्ताना तदन मदादव मतीव गधऊव तव वं कज्ञ दव लग
 गच्छ-विछिन्नावशा म वीडलाद गादि कल तगवतीव वामा वन
 नवादाव गदि ज्ञान दव दमल, उतय गाल दुगाजीव तश्च
 मीदव गच्छि ऊकव दमाल गदना तह्यत गच्छि छ मिंतामनव
 विद्यमान कथ वनव गाकववं गच्छि

गहन मायता शब्द ऊ लगतग 600 बर्य यतिन बाऊ दयदह्य
 दं झाबा गतय ऊगदशक मति शायित तल बलाना मुदा गाव
 दुगा दबिक् या मति गतय नदि शब्द कबल ददबी यदंडक
 दाबीडीद गामक गकल्प माधक यति दिन माधना-शाबाधना लल
 गदिगाम श्वेत बलादा बाव म ऊदन या वृद्ध तग बालाद या
 गतय गायबा म मदा गममब दामय लगलाद त' गक दिन मन्न
 ददलालिन ऊ मां ऊगदश यंय दुनक कदेत बाबिन ऊ गाव
 तादब श्वश गतक बल गदिगाम गावयवाला नदि बाक या
 दुबल कयाक कबल तबीब मदा गदि लायक नदि बा तादि

ताबा गाव गतय गगवाक ऊकवत नादि तां गाव ह्यबादं मं दमब
 दूज गाबाधना कबद मुदा माधक गादि वात कं मानक लल
 तेयाब नादि तलाखिन ऊ बिना मेया कं मूत कयकं दूज गवना
 कन गा बढतादा कदावत ब तला कं गागू तगवान मदा सांकि
 ऊळत बबिन. तखन मेया कदलखिन ऊ गाव ताबा गगवाक
 ऊकवत नादि. तां दमबा गवना मंग नन बलद. तला तगवतीक
 बबला मं मिंझामन मं मूति डगाकरा दावीडीद लग बलाद.
 ऊतय गवना गादि मूतिक दूज कयल ऊळत गबिा गादि गाम
 मं डगायल बाल तगवती कं दातमा गा गय मव वसु गुप्तकलीन
 गबिा गादि मिंझयीर म मात मिंझामन जय बदी बाल गबि
 छिनकब दूज वतमान म दाळत गबिा गादि मोंदब म ऊगदशाक
 निबाकब कयक दूज दाळत गबिा तबदम जतादी म गादि मोंदब
 कं बढत यामिंझ बल, ऊदिमं नवादा दुगा शानक दावीनताक
 गाकलन कयल ऊ मकेत गबिा

कना ददुंबव नवादा तगवती शान

नवादा तगवती शान दबतंगा छिलाकं वनीयुब ददुंड मं मात
 लगतग दांब किलामीट्यब ऊतब-दांघिम म नवादा गाम म दावीन
 कल मं गवायत बनिा वनीयुब ददुंड मं मीक्ष मडक नवादा
 दुगा शान तक बाल गबि गादि गाम मं ऑट्य दकक गा ददुंब
 ऊड नवादा तगवती शाना दबतंगा मं मदा मीक्ष केव वक
 कय गादिगाम ऊ मकेत बी।

नवादा तगवती शान कं धामिक गा गोंतदांसक मदघ

शाना त' गादि दुगा मोंदबक यांगरा म दाबदा गाम दूजक लल

आश्चर्यान् लाक्क त्रीड लागल बदेत शब्द, मुदा ज्ञानदीप नवबाता
 म गौतमस तत्ता दूब दूब मं शब्देत शब्द या मेया कं दूज शब्दना
 कबेत शब्द। संगीत मेया कं दबदाब म ऊकबेत कं दिमाव मं
 मनाकमना कबेत शब्द। गदन मायता शब्द ऊ गौतमस कयल
 मनाकमना शब्द दूबा दाल्लत शब्द। मनाकमना दूबा तलाक बाद
 तत्ता दुनः गौतमस गाव मनोती कबेत शब्द। ऊदि कबल माला
 ताब तत्ताक गावा ऊदी लागल बदेत शब्द मुदा नवबाता म
 विज्ञात मला लगेत शब्द या सांस्कृतिक कयकम मला दाल्लत शब्द।
 नवबाता कं दत्ता दिनक वातवबल गौतमस वड वमनगब त'
 ऊल्लत शब्द। नवादा तगवती ज्ञान कं गौतमसिक मदद कं
 शब्दऊ गौत वात मं लगायल ऊ मकेत शब्द ऊ बाऊ दयदह्य
 कं द्वाबा गौत मीश्वर म गौतक शायना तल बलान ऊदि कबल
 मेया कं नाम दयदह्य दबी दबलान गौत तत्तादीग कं वलन
 दबी तगवत दुबाल या मन्थ दुबाल म मला तत्तेत शब्द ऊदि
 कबल मं गौत ज्ञान कं गौतमसिक मदद वढं ऊल्लत शब्द।
 लाक आश्चर्य कं द वनल गौत ज्ञान कं दयदह्य कं मायता
 तत्तेबाक लल मला दयाम तग बदल शब्द। मुदा गौतम कतक
 समय लागत तका कना गौत नदि, कबल बाश्च सबकब गौत
 ऊतक विकस कं लल शातक मकीय नदि शब्द ऊतक दबाक
 बादी।

-यमत्रंकब या "यवन" संगम विद्वाब, दिल्ली

-

शयन संतश editorial.staff.videha@gmail.com दब दगाडा

९.७.बाह्नन अनकदयी- दबानक



बाह्नन अनकदयी

कबानक

"गदरुण कबानक जादी गित ! बियर्लिशिक ।"

"कबा किया नल्ल ? दमब स किया ? या बियर्लिशिक किया ?"

"मान किछु गलग दल्लर क' दल्ल । कबानकम किछु गयना दिसाव दबदाबक गुड्डल्लम बदेबे । कबाम ल्ल मुबिधा नल्ल दल्लबे । या सब स दसी गदां मन बियर्लिशिक लखकसब ससम दल्लर ऊल्लबे ।"

"मुदा कदब त दम गयन बात !"

"दते ।"

"तदन गीक बे । गदरुण झोट मनम तैयाब गल्ल, मुनाड ?"

"दते ।"

"गीक बे । मुदा खिय बाखव, दीयम द्वाकद्वक नल्ल कबव"

.....

गज्जाब बाळत, उल्लनयांक ददरुण कदम तब मबल दबल बे । नीक लाक 'दठम' तब धिवा बदल बे उल्लनया ददरुण ।

.....

तयावद धियाबल गांल्ल, गुंद मूत या कबिलाम लतबायल, द्यददरुण, द्यदकैत लाल लाल लद स ललाळत धबती, या ललायल उल्लनयांक मल्लल साल द्वाद्वल नूणां, या गाकबा जाककत मनमायल दांकल तीडक गदकैत ददब मुदगानसब, या दिडदी

म मदिमाबी दैत नीक लाकक तशीच बयल गळ्ळ्य गळ्ळ्याबस ।
नीक लाकसव दटेंत गळ्ळ्य गळ्ळ्याब । मुदें विवक दैत गळ्ळ्य-
"गळ्ळ्यासम जताझीस मत्ता गना ?"

नीक लाक नवक, वकवक कयडा ददिबैत गळ्ळ्य । उळ्ळत
गळ्ळ्य 'बढम' तब । मोच दटबैत गळ्ळ्य । त्झा म नत दाळ्ळत
गळ्ळ्य - "बझा कक द बढम ! दुझागा, तूत दत, यित्ताय
यित्तायिनी, उळ्ळन जागिन म बझा कक द उगदश ! द कली
! मंदाब कक शादि सब दुझा बवसिक !"

धूय गुगुल म धुणाळ्ळत गादतक धुणां दाबस तबैत बालबशाक
माब दंसातेब गळ्ळ्य नीक लाक ।

बढम बानक गदबब म बढबाळ्ळत धामी बूवैत गळ्ळ्य नीक
लाकक माब । मिशुबक लाल ट्पीक वा बाडबक कबी ट्पीक
लगवैत गळ्ळ्य सवदक जालयब । दटेंत गळ्ळ्य जतमस मस ।
कमनाम लादाळ्ळ्य कबैत गळ्ळ्य - "जादिनी यित्तायिनीक नात दा
!" ऊयऊयकाब म गुंऊयमान त'ऊळ्ळत गळ्ळ्य बढमबानक
उगाव ।

हेलम ग्रंथ तूंड ब । तूंडसवम म ग्रंथ लूळतक कमऊब
हिमहिम बढबा बढल गळ्ळ्य । हेल्क उच्यबक हाकनाम क
धधबाक लूळत उच्यब दवाम दबा बढल गळ्ळ्य । यिलयिल
लूळतम हबा वनीन, उळ्ळनियांसन मुंदकन वालीसव, यित्ताळ्ळत
नळ्ळ गळ्ळ्य, बस तीडसन दळाळ्ळत गळ्ळ्य, नांळ्य बढल गळ्ळ्य

। गाल्लव बदल गल्लव - "द गज्जाव बाळत मिय्या ।

नीकलाक नाक मुदवेत गल्लव - "गल्लव त रू दमव मंझति,
मुदा दुबान गल्लव । मऊ नल्लं गाल्लव बदल गल्लव ।"

वढमबानक धमध्वज दव ट्यांगल माल्लक म गूंजत गल्लव अऊन
मंगीत - 'वल वल वा डल्लनयां कदम तव, तावा वट्याक हयबो
वढम तव ।'

नीक लाक माल्लत बाल गल्लव । की बाड गा इममट्याक दमक
धवधवक आतीक कंठ कंठ ब्रिट्याक बदल गल्लव । मस नीक
लाकसव, विजलीऊक नांल्लव बदल गल्लव । वढमबानक अत
दव म बिड्ियाळत झुड लाल्लट्याक लुजतक बाळढम बदि बदल
गल्ल नीकलाकक मन, डहाम । याक दिस ऊमऊयकव दुहाकव
गल्लव - 'वल वल वा डल्लनयां कदम तव, तावा वट्याक हयबो
वढम तव ।'

बाळत मुदा गज्जाविग गल्लव । डल्लनयांक गामम त गणाव छन
गज्जाव । तताद्विया दुबान, ऊऊव मिय्याक मबल लुजत,
मावयव लदन नांल्लव बदल डल्लनयमन लाकसवदक जीवनक
गज्जाव म नल्लं जीत सकल गल्लव । कतवा गा गावणा - 'तादव
तबाम वढम बावा मिय्या वनोविया द्वा ।'

सवदव डल्लनयांक वट्या मवेत गल्लव । सवदव डल्लनयाक मुंद
नाक म ततवेत गल्लव लद । गदवव लद तल गल्लव ।

सवदव ऊक गदवव नीक लाक नल्लं, गाकव गदना लाकसव

तगाव' यादेत गळूय गावबा गाग म -'ळू गाग म ताळग क्रिय
नळं ऊळूय !' गावबा गयन लाव, ऊवबा डब ब्र ऊ
डळ्ळनियांव वदन्न गावबा वट्ण नळं मळूय ऊय । नीव लावव
वदां गावबासवम डळ्ळनियां नळं दळा ऊय ।...."

"मुदा डळ्ळनियांव वट्ण क्रिया मबल ? याद डळ्ळनियां, डळ्ळनियां
क्रिय तल ?"

"गावबा विय द्वाट्या बाल ! गावबा ऊवाव गनव त' सवेत
गळूय । डळ्ळनियां मदिला गळूय, याद डळ्ळनियां ब्राट ऊळूत
....."

"ब्राट ऊळूत ?"

"गद ! गना वडेबी, ऊना गदां लङ्गलेड्ड म गायल दाळ । दं
ब्राट ऊळूत ! नीव लावसव मदनत कबेवला सवव ब्राट
ऊळूत वदेबे ।"

"मदनत त दमदं कबेबी ।"

"मुदा गदां गद त नळं डणवे बी न मदादय ! गदां म'ब त
नळं न डणवे बी मदादय ! गदां विच्चन त नळं न डळावे बी,
गदां ऊमा त नळं न मीवे बी, गदांव क्रिय कयेया वा क्रिय
सब गनव दातिब गानव बाळूत बझीन कबवाव' लल विवत
त नळं न कयल ऊळूय !"

"तल ! तल ! गाग वट् !"

"... त डळ्ळनियां गबीवा त' सवेय । डळ्ळनियां विदत्तियाव
गमगक्या वदं मदा त' सवेय , वा डळ्ळनिया नीव लावकलल
गट्याबी मदा त'सवेय ।"

"तव ?"

"तब की ! गङ्गाब बाळत, डळ्ळनियाँक बट्ण मबल दबल बे । नीक लाक बढम तब डळ्ळनियाँक बट्णक बिवा बदल बे ।"

"शाद ! बट्ण कक कू दुबना बाग । दमब माब द्याळ्ळत जयत ।"

"बस ! गतबस हं बाळ्ळु बाबदं ? ऊ युग युग म कू ताळ्ळग बदल गळ, शाकब की हाल दाळ्ळत दते ?कबानक नळं यादी ? बियालिशिक ?"

"शाद ! शा त यादव कबी । मुवा कनक दशा त धब' बिय ! शाद कत तयानक !शाव कद्द !"

"त, गङ्गाब बाळत ..."

"द्याब शाद ?"

"दं, कतो म बात त गाग् बढाबदी दबते न !"

"दं, हाल !"

"शीक बे । मुवा द्याक नळं बीबम । आन तट्ठेक जळ्ळबे ।, डळ्ळनियाँक बट्ण मबल दबल बे । गंद, मंत शा कबिला म लतबायल शा माब म देब तब युगीन यातनाक समाधि बनल गळ शा । शा मनम गळ डुनियाँक मबाध मदजन गळ शा शाकब गाँळ्ळम गकट्ण गाकितित यन्न बडायित गळ्ळब । गकट्ण युगक यन्न ! - नीक लाक बिया बिवा हाल शाकब बट्णक ? कदिया गम दायत कू नीक लाकक डुनियाँ ? कदिया बनत कू डुनियाँ नीक, सबदकलल ?"

समयक हालयब गकट्ण तशी ट्यांगल गळ - गकळ्ळम तताधि ! शा शाळ तशीम लट्ठेक बदल गळ डळ्ळनियाँ शा शाकब बट्ण , दमुलम ऊक म्लेत ।

.....

गहवाबक मुंदयब गकदिस उल्लनियाँक लहू म लबयब दुअ
 गल्लब, त दामब दिस उग्राबम मातल जयजयकाब कबेत नीक
 लाकक दुअ बयल गल्लब । त्रियक गल्लब - 'तादब तबाम बढम
 दावा ।'

.....

"गाद ! गाद ! दसू कक ! लू कबानक !"

"हँ, गल्ल म दमी कदल की ऊ मकेय ? गल्ल म गागू त बिब
 कबवाक ऊकबी दाळबे ।"

"की कबवाक ऊकबी बे ?"

"गल्ल मडल, मातल नीक लाकक डिनियाँक ब्रंम गा मबदकलल
 नीक डिनियाँक निमाल ।"

"गाद ! कत तयानक ! गहन कबानक बऊबम बलते ?"

"लू त गदाँ ऊनी । दमबा त कबानक मुनयवाक बल, म मुना
 दलहँ ।"

"गना बिया बळेबी ? गाब गदँ दमबा गदाँबितसन वुमा बदल
 बी । गतक बीडा, गतक गाकत गदाँ कबानकम काना तबलहँ
 ? गामय गल्लब ।"

"गीक कदलहँ ! दमहँ गादी सुगीन यातनाक गकटण दिशा बी
 । दमहँ गकटण उल्लनियाँक बटण बी, ऊकब माय गयन बटणक
 दवावम गयन ऊन द' दलक ।"

"गाद !"

शयन मंत्य editorial.staff.videha@gmail.com दब दगाडा

९.५.तुवनसुब जोबामया "तुनतु"- दू ह्य बीदनि दबा



तुवनसुब जोबामया "तुनतु"

दू ह्य बीदनि दबा

खानायाति

झुडन ककणाक थाता यथेत बल द्यावेत दुबलादिन बोणा ब ल
खानायाति कखानायात ककबा बाऊल जयत बल?

बोणा ममयावेत दक्षिणी बाबा खानायाति वद शशि ऊढन दया
लायक लल वेळमे बबिन या दादल यबमन कब बाव ऊढन
वाळल तबकबी या बाटणी तात मां म मंगेय बबिन तबक बाऊल
जयत बल खानायाति।

ककणा गयन ऊवि द्यावेत दू द्याक निवलादिन या दैत
बाऊलादिन ऊडु ललट्टनमा बावन मं दू द्या बोवलाद लऽ लव
या गकट्टा गदो लायव या गकट्टा दमबा दवा

बोणा विंदक याडेत दमब ऊवाव नीक बला

९

दद बाऊल दाव बादब

गकट्टा युकाव कब बावडी गुडेब लालादा

ऊ कनेत बदाबिन दा बाव दा बाव ताबा विना कना बदेवा

बिया कम कब समान गकट्टित कयल लाला

यबाब वनल या लाम क मुतायल लाला

यंडी डी युबलाद गदोँक बावडी कब कना गदन लुग्रा ऊ

नदिं दूब रल दैत मद बाडा।

ਭ ਗਾਦਸੀ ਬਾਭਲ ਵਧ ਵਸਬ ਵਾਵਭੀ ਸਿਰਾਂਦਬ ਸਨਾਨ ਕਬ ਵਭਕ
ਨਨਾ ਬਵਭਿਨ ਗਾ ਵਾਦਿਆ ਕਲ ਵਭੇਤ ਬਵਭਿਨ ਭ ਵਸ ਸਬਵ ਤs
ਵਸਬ ਬਿਵਾਕੁ ਸਿਰਾਂਦਬ ਸਨਾਨ ਭਵਾਂ ਕਬਵ ਵਸਬ ਵਾਵ ਵਾਵਬ
ਕs ਵਵਾ

ਬੰਡੀ ਭੀ ਤs ਵਸ ਕੀ ਵਧ ਵਾਭਲ ਬਵਭ ਦਿਯੋ ਗਾ ਵਾਵ ਵਾਵਬ
ਕs ਦਿਯੋ।

ਬਧਨ ਸੰਤਯ editorial.staff.videha@gmail.com ਵਬ ਵਗਾਭ

ੳ.ੲ.ਕੁਸਾਬ ਸਨਾਭ ਕਯਬ- ੳ ਵਾ ਲਭੁਵਵਾ



ਕੁਸਾਬ ਸਨਾਭ ਕਯਬ

९ द्या लखववा

९

येल यानि, लल यानि

शाळू थ दमीतन क राबियन वंष्टलो लाक निबात त बलेद ऊ
 शातानकय थ दमीतन गयन बियाहा नदिं दलके शा सबदाबा
 शात यब यानिय ढाबलके; मुदा गयन कन वत! ऊद लाब मेद
 साब! गकमुन तीस दऊब यावि क' शा बामाँयत त' बदल बला
 ऊव क थाब तऊवीऊ क' क' दललक..... डंय दया बदल ब्रे
 डयब म'। दस म यॉकट्पमाबी शादिना दमी! बियाबलक थब
 ऊवा कल देख लियाय म बावि क' दू-तीन तमा मारुं
 क' कामिया क' लाब म यकडन बदता शाळू
 शा बामाँयत बल! लगे ऊ कलन समय लाळू शा शा थब यदोय
 क' कानियां क लियाफ बझावो दबमादा क' त' मत्त याळू उधाबी
 युक्ता कबे म गबम लादिया म यडल यानिक वून ऊकाँऊल
 म नियमा त' ऊळूत ब्रे..... थाब उधाबीक दुश्चक गादिना मास-
 दब-मास, साल-दब-साल जलेत बदेत ब्रे। शाळू लू शोर्ताबिता याळू
 यावि शा कतक छुत दते! गयन कना मल-मनाबब त' दयाबी
 मायव न कबेत ब्रे कादिया!

शा दस श्रुंड म' सट्पकबन थब यदुंयला कबाड छालित कानियां
 क लियाय बझा दलके गकट्प गदीब देख मुझन मंगा

- 'कि बिने?'

- 'लालि क' दखियो तदन न दुसरे! '

- 'कि दखियो गहन मकन मालिक कदि क' बले ऊ गक माल क किबाया गगाड दवे ले नदिं त' मकन लाली क' दवे ले..... बाय क दाह्य क गायबजन कबतो गक्रब दोया क झत्तन स यठंनाल्ल ऊकबी बे..... बिऊछा खबाव त' बदल बे। दाव गाम स केव दब कदलखिन ऊ मीबक बिझी-बिझी त' क' द्याह्य बलेन..... ऊडं मिर्बासबाल्ल बबिना ह्वा म ककबा दद दब मुबदगब गबम कयडा.....!!'

कनियां दउेत बदले मुदा गावदीब .. ऊडवत..याबब बनल गढ! खुती गतक झालिक दाळ बे गा मायनदां न बत्तो लिप्याय टपुल दब गादिना यडल बत्तो।

९

गुद-बवंशक

दाह्यी बिमजन क बले गा गादि दतान गक-दासबा क दाबबाब स' दाबदय-दात मत्ता त' बदल बत्तो। दंतडी गहन कनियां क दास-मत्तीम स' दाबदय हुकायात कबेत कदलखिन- 'दिनक स' मिल, मिसऊ कवबी! दसब धमयनी! श्राह्य बैक स मीनियब मेनऊब बबि।' गवान्त मिसऊ कवबी मत्त दिस तकलानि। तमाडी मत्ता कना दाबां बदिताबि; दुनका कनियां त' उय-निदतक क यद

दब बललिन! मिसळ त्रुळा ऊ मीमा मुबळा दल म उदुद्री
 कमांडंट बलीद श्रमं गयन दारिदय दलाना मतक कनियां क
 वळं-वळं क' दारिदय देत दाद मिसळ मिज्जा दीनतावना
 म' उमीन म धंस' लगलीदा मत गव-म-गव उग्र
 ददश कमकडी मंदिला बे; तादि म दिनकब गयन दारिदय म
 कदव ऊ दम किशु नदिं कबेत बी त्रुळा दुसलाना लाऊ धाड
 लीम दडलाना त्रीवामवडी दुबललिन - 'मिज्जाडी गाव गादां न
 गयन कनियां म' मवक दारिदय कबवियोन?' 'दं.... दं....
 गवच्या मुगंधा दमब धमयत्री नदिं; मुध्वांगनी बबि! .. गांधा कि
 मारियदं दमब मय्यल त्रीबीवक श्यामिनी! दिनक दमब जीवन म
 आगवानक उत वतंमा केत ऊय; कश देत! ऊ दिनक कुतल
 गूद-खवंधन क कमाल बनि ऊ दमबा मत गानंदमय जीवन-
 यायन क बदल बी गा दुद वझा यत्तानिक गंधिकाबी गबि
 ' मुगंधा क बाती गव म' दाल' लगलाना गय मंदिला मत कना
 न कना वल्लन गात' म' मददवाक वाट ताक' लगलीदा

-कुमाव मनाऊ कश्य, मय्यति: तावत मवकब क उग्र-
 मयिव, मय्यक: मी-11, द्वावब-4, द्वाळय-5, किदवळ नगर दूव
 (दिल्ली द्वाट क मामन), नळ दिल्ली-110023 गा. 9810811850
 / 8178216239 नळ-मल : writetokmanoj@gmail.com

गयन मंत्य editorial.staff.videha@gmail.com दब दगाडा

९.१. ज्ञान कमाव सिंद- बीमक ढोड



ज्ञान कमाव सिंद

बीमक ढोड

तादिक कयं ऊं दलल जय तं मेविली सादियक कुनऊतम दम
 'लावब गलत' बी। ज्ञय बी। या ज्ञय ऊं दायः कना संश्याक
 वाम तागम बदेत शसिधदीन बदेत शशि। मुदा मेविली सादियक
 श्वाति-लश्च सादियकब, बिदद कू-वातिकक यमुल संयादक
 मदादय शदबलीय ही गऊइ बाव स मानवाक लल तैयाब नदि
 बधि। दुनक हम बनि ऊं ऊं गदि ज्ञयकं शीव कय कना
 संश्याक ददिना तागम बेसा दल जय तं शदि संश्याक मान 10
 गुला बाँण ऊतेक (यतर कना संश्याक मेविली ताया मानल
 जय)। मुदा दम की बी स दमबामं नीक क ऊनि सकेत शशि?
 'लावब गलत' दवाक यश्च यमाल दमबा तदन तदि ऊळत
 शशि ऊदन दम गयनदि बिबु बिह्ययुह कविता, कबा, निबंध
 शदि मूश्याकन कवेत बी।

राक्षस्य दीक्ष्य शंतमालक दक्षात् शास्त्रं शा दुनः मल दक्षीन ब्रविः
"बयना मादब शर्मितत श्रिया गच्छन्, ब्राह्मण्य..."।

राक्ष मान तल, मलकं लक्ष्मण क' दियेका द्यब मानम शागत
ऊ ऊहन दमबा मन बयनादबक बयनाद द्याकक्ष्य किशा
ब्रिय दैत ब्रवि तं दह्य की मुदा यज्ञ बल ऊ दम दुनकी की
दराविर्गन? गुनमंधानायाक लल तं दमबा दमक वात नादि ब्रिक,
तदन? ददत दब ब्रवि गुनधनम लागल बदलदं। नितय कलदं
ऊ कना नव कबा लिखि कय दगा दैत ब्रियाना मुदा लाख
दयामक बावजूद दमबा कना गदन 'बीम' (विषय) दुम'म नादि
शागत ऊकबा दब दम गदन कलम बला मकी। तदनान्ति मानम
राक्षस्य मुक्ति मुगल! शास्त्र कयालयमं ब्रब ऊगवाक कमम
राक्ष-राक्ष वसु, दूय, क्षटना शादिक गदन शबलाकन कबैत
ऊगव, कतदं-न-कतदं मं कना 'बीम' तं तद्विषय ऊगता।

मीशास्त्रशास्त्राल कब मुय्य ब्राब दाक्षव मं राक्षदम मत्पल बेका
मडकक शाकाति योवाक्ष्या ऊकं बेका देदल याब दबक कना
निदत्त नादि दवाक कबल गाडी-झाडाक शावाऊदीक दीय
लाककं शाब-याब कबव गतय कागिन पुनोती मन बेका दम
मडकक कतम गाढा तय मडक दाली दवाक यतीझ कबग
लागलदं।

यूssssss, तडाक! शाद! शाद!

राक्षस्य शूक्ष्म सवाब कामिनी सायाक गाडीम धक्का मावि दन
बदेका दुयाग ऊ शादि कामिनीक दाब देमल लगतग 20-22
वयीय शादि सुबकक दयबक दह्यी ह्मण्य बाल बलेक, ऊहन
की शा कामिनी शातक कयमं यादिल तल बलीद, गदन दुमल्लत

बला दुनका उगयवाक या मदाबा दवाक लल केकेट्य दाब
 गकादि संग डीर बाल बदेक उलन की गंतीब कयमं द्यायल
 यादि युवकक दिस कश्च लाकक आन बदेका बीब मडक यब
 तीड उमा त' बलेका ऊ त' कद उ दुनका मतक ताथ नीक
 बलान उ गतगमं मदक 100 गडक दूबी यब बीगम गथताल
 बदेक, उतरा दुनका दुनू बाट' क' याबमिक उयबाबक दत
 यगा दल बलाना।

मडक याब कगलाक बाद लिंगबाऊक यादक दाकन बीना याद
 बीवाक लाब दमदं यातरा बीम बलदं गकट्य मुचब, मोथ
 मदातय दनादन सिगबट्यक कत लगा बदल बलादा दुनका
 लांही यादि वातक यश्च संकत दय बदल बल उ सिगबट्य
 गयन बंग दलायब याबंत कय दन बला उलन कना तदला
 झाबा दुनका यातिवादन कगल बलान तं यता लागल उ 'मदातय'
 बीगम गथतालम डॉझब ब्रिवा संताय तल, यल सिगबट्य
 दिनक की दिगाडि लत? ऊ तं यय डॉझब ब्रिवा।

गकट्य गबीब-मन लाक यानिक दाली वातलम गयन बीमाब
 यमीक लल याद लग बदल बलाद उ दगलक बीगम गथतालम
 तती बलीदा दुनका संग कथायलक त्रिकब गकट्य 5-6 वधीय
 कनकिबवी बर्दाना मेल वश, यागबागल कत, गांखिम कंवी,
 धनुयाकब हंग या कदीमा-मन दह्य कना बिगुट्यक देकेट्य
 दिस लुताबा क' बदल बलीदा।

"कतक काम बेक गकब?" बाय दाकनदाबमं दुबलकेका।

"दम कयेया।"

.....

दयावाक यदवा उतीरि गलेका ककक दिम लुतावा कवेत शा
दाम दबलक-गकब?

"दू कयेया!"

'गकट्टा द' दिगीका" वाय गयन कर्नाकिबवीकं शा कक द'
कग शाकबा बदलगावाक गमयल ययाम कग बदल बलाद मुदा
शा नादि मानलका शा कर्नाकिबवी कक कुमाकग दूब द्यादि
दलका वाय कक उगाकग शाकबा गावि-द्यादि गयना ऊदीम
बाहि ललका कर्नाकिबवीक शिवबल कदन ऊबी बदेका वायक
आन गाव आमदब नादि बलेका शा गकबलां दमबा दिम दलेत
वाऊग लागलाद:

"की कदी ताय! लू गयताल बला उकेत बेक, उकेत! बातिक
वाबद वऊ सबकबी गयतालम कना डोंझाब नादि बदेक
गदिलल दम गादि उकेतक दामग दंड गालदां गहन धाब 2,500
क. दवा कबा दलक शिबि शा यता नादि..."

"तगवान गबीव लाककं बीमाबी देत किरक बबिन?" लू वात
शाकबा दलकमं नादि निरालि सकलेका

दम गातगमं गाग वललदां

गाव दम दामब मुअ मडक यब बलदां गतग मडकक वाम
तागम गकट्टा डोंझाबक दाल्लवट्टा झिनिक बलानि शा दायः
गयन कदुनी टावुल यब टिबेन गयन गाल बाझन वेमल बदेत
बाबि मडकमं गावाऊदी कबग बला तायत कना लाक दतेक
ऊकबा शा गिझ-दुंझियां नादि दलेत दाबि दुनक लाकवागकं
यय दल लूच्या दाल्लत बलानि (मंतवतः)। शा (मंतवतः) मानदि-

मान मावेत बदेत बलाद, "रू लाव सत यश विराव बेव?
वीमाव तय दमबा लग रूलाऊव दत विराव नाद गवेत शय?"
दम गाग दछेत् बी।

विश्व दूब यललाव दझात, मडकाव वदिना दत राकट्या वडिया
दुट्यावा दब साग वांय बदल बलीदा दुनका बिष्णम कुल
मिलावग तीन तबदका साग, 15-20 नवा या विश्वराव विलाव
लगद्याम दबियब मिबवाळ बलीना आतर राकट्या गाडी काकला
आदि गाडीसं निबलरा बला युगलव गाग दखवा याश्र बदेता
युबला दब वडिया कदलवेव, "साग 5 का. मुद्दा"। दम मीन
आदि युगलका लागलेव ऊना या वडिया 5 का. मुद्दा साग
वांयकाव दाना काळम का' बदल बलेका गाव त्रका तलेव माल-
माताय या गंततः सागका दब तय तलेव 4 का. मुद्दा। युगल
राव मुद्दा साग ललव 4 का.काब बुष्ण दाळ गावका बमवेत,
यलेत वनला दम रू सत छट्याकाव दख युबल बलदं, गदिलल
दब ऊनव गाव दमबा लल गावयका नाद बादि बाल बला दमदं
दू मुद्दा साग ललदं या दू-दणियाव जाबिया मिझा गावका बमा
दलियेका गदियब वडियाव क्षय दणिया बलेका या वाऊलि-वाव
दू दका गाब दिशेका दम कदलियेव, "गहन तं गदां गावका
सतका दू दका मुद्दा साग दन बियेका।"

या वाऊलि-"वाव, 300 दकाव माल गानन बलियेव, कश
मोवा बेव, गाळ दुमळत ने बेव ऊ दांऊया डुयब त' सकतो।"
दम कदलियेव, "गद्दा गदां गदन काका, दमबा दांय मुद्दा साग
गाब द' दिशा" रू बादि दम गावकासं दूवम दल बाल दाळ
हुबा काग 35 दका द' गाग दळलदा।

शातयामं दण्डलाक वाद दम मानादि-मान गयन तुलना गादि कब
वलासं धनिक लाकसं दय बदल बलदं। दमबा नञ्जविम गा तुञ्ज
लागि बदल बलादा ऊदन कि दम श्रयंकं बदत वडक दयावान
दोय बदल बलदं। "गादिब मागक यांवट्ण गतिविज्ञा मुद्रा दीन
गादि वणिग्या दब डयकब ऊ दान बलदं।"

गाव दम धीब-धीब गयन ह्यबक (किबायाक) मीठगी योठ बदल
बलदं। कयडा वदील दाब दयब बालदं, किञ्च कलक वाद ट्ण.वी
ऑन कलदं तं "कौन वनगा कबाडयति गङ्गात कवीमी" यमावित
त' बदल बलेका। ढॉट्-मीट् दब वेसल बलीद मदाबाङ्गाक
कना ब्राट्-मन गामसं गायल गकट्ण 30-35 वयीय विधवा।
कयकमक मंवालक ह्री गमितात वञ्चनसं गयतयक कमग गा
वतीलानि ऊ, "दुनक यति गक माध्यावरा किमान बलाद, गा
कयामक हेली दत वैकसं 2 लाह ट्णक मूल लन बलादा मूल-
वमूली दत वैकक ततक दवाव दण्डलेक ऊ गा दूळ वय दूव
गागदग्या क' ललीचा गाव दम श्रयं हेलतम कऊ कवेत बी। ऊं
कवीमी मं किञ्च बकम जीत सकलदं तं कमत्रः मात गा तीन
वयीय बावयाक लालन-यालन, त्रिङ्ग-वीङ्ग गादि दब ह्य कबवा।"
ह्यडी दललदं तं यता यलल ऊ बातिव 10 वजेत बदेका कनक
कलक वाद गादि गनि पितनक मुद्राम मावय लागलदं ऊ उक्ता
ह्यटनाकम मत्तम मं कना "बीम" उगाणाल ऊ सवेत गिञ्च की?
मय्य कली तं गादि मत्त ह्यटनाकम म मं ७ मत्त "बीम" तं त'ग
सवेत बल-विद्यबीत मन्नाक यति मदङ्ककयल, अमन विवकक
नञ्च कग दैत ब्रेक, गनीवक दुताय्य : बीमाबी, विना विङ्कयन

बला डॉक्टर, दयावान, किमानक दुदत्ता गादि।

...लाह यमाम बलदं ऊ गदिम मं कना गक बीमकं गाधब
दनादग बिछ लिह ली, गुदा बलम नदि बोल सकला गाव
दुम'म गादि बदल गदि ऊ कना गान बयनाकबक कविता कदा
दब (दबाव, गालावनामक नदि) स्थिती कय दब कतक
गमान बैक, गुदा गयना दबम...।

दम निश्चय दब ददंय लाल बदी ऊ, "बिछ लिहबाक लल मात
'बीम' नदि गयत ताया ग गतिश्रित-कैतल मदा यादी, ऊकब
दमबाम सबबा गताव गदि।"

गाव ऊ गऊदु बाव द्यब कदिशा तलाव कबताद तं
रुमानदाबीमं ऊमा बाबना क' लबाना गाब मझा की?

-डॉ. तंतु कुमाव सिंद, वबीय बिमाम दमन, बाङ्गीय अनुवाद
मिहिन, ताबतीय ताया मंशान, मेमुका मंदक मूल-
9986890429

गयन मंतय editorial.staff.videha@gmail.com दब दगाडा

ऐ.ऐ.तिव तंदक- कदा- दादब

तिव तंदक

कदा- दादब

①

कथा- 'पाथर'

ओहि परोपट्टामे मिथलेश बाबूक मकानक जोड़ा नहि
हल, दूर हिसे पता चलि जाइत हल, होसक कोनो जवाब
नहि। झाँटि-बिहाड़िमे पहाड़ जेकां हाड़, न तस-सँ-मस।
मकान सतेक चर्चित हल - जे टोलक नामे मिथिमा टोल
पड़ि गेल।

मिथलेश बाबूक दलान, खरिहियान आ धर सभ
बहु भव्य हल - दलान आ खरिहियान बेस नमहर।
टोलमे कोनो शादी-बिआह हुआ तउ बरिआतिक
भोज हुनकर, दलानक आश्रय हल। हुनकर दलान
कतेको बेटीके कन्यादान करवा चुकल हल। भोजनक
समयमे हुनकर दलानक स्वरूप रंगीन भउ जाइत
हल, वसंतक बंगार बहरा भागीत हल। चूँकि ओहि
टोलमे तेहन कोनो तरहक स्थान नहि हल अतउ कि
कोनो तरहक सामाजिक उत्सवक आयोजन नीक
जेकां करल जा सकैत हल, नहि तउ कोनो तरहक
अनवासा हल आ नहि तउ कोनो तरहक स्कूल हल।
हालाँकि एकटा मिडिल स्कूल हल मुदा ओ टोलसँ
दूर, बाधमे हल, जेकर कि शादी-बिआहमे कोनो
उपयोगिता नहि हल।

मिथलेश बाबूक अमानामे मरवान खरह वाला मन्नाह
सभ मरवानक समयमे, हुनके खरवाजा पर डेरा देने
रहैत हल। टोलमे कोनो पंचायती हुआ तउ मिथलेश
बाबूक दलान पर पंचायतक बैठाड़ होअर।

भदबुरियामे जखन बदरी लाँदि जाइत हल,
तउ चारि-पाँचटा ताशक पार्टी गुलाम-बिबी-सक्का-
दहलक गाणितमे ओझराएल, अपना ओड़ीके
जीतेबाक दावेदारीमे रङ्गी-चोटीक ओर भजाअर।

(2)

करवनी-काल बीच-बीचमें माहील गरमा जाइत
इल। कोनो-कोनो पार्टी क्षणिक आवेशक बादिमें
भासिया कड उकटा-पैची करड भागीत इल। लोक
क्षणिक आवेशमें केहन उग्र रूप धारण कड लैत
अहि आ केहन विकट परिस्थिति आबि जाइत अहि।
एकर डैट-मोट उदाहरण सहिदाम देरवार पड़ैत इल।
मुदा अंतमें सब किहु अन्त भउ जाइत इल।

मिथलेश बाबूक आदत इलन्हि-डू टाइम
चाय पीबाक-भोर आ साँझमें। ओहि टाइम दलान
पर जे कोठ व्यक्ति उपस्थित रहथि, हुनका चाय
मिलनार अनिवार्य बूझू। ताहि हेतु कतको लोक
चाहक ओभे देरवाजा पर पेटकुनिया देन रहथि।
दलानक आगूम खरिहिआन बैस नमहर इल।
खरिहिआनक चारु काते बैली, चम्पा-चमेली,
गुलाब, सींगहार, अड़हुआ आदि फूलक जाइ भागल।
खरिहिआन कम पुष्पवाटिका अधिक बुझाइत इल।
खरिहिआनक चारु काते बाँसक आफरी भागल
आ टूटा गेट इल। टूनु गेट पर अशोकक जाइ-ई
जाइ आगान्तुक स्वागतमें सखिरवन तैयार रहैत
इल। केहनो तमसाराण व्यक्ति हुनकर देरवाजा
पर पहुँचि जाइत इल तउ हुनकर तामस डू-मंतर
भउ जाइत इल। हुनकर दलानक हवामे एकटा
देसरे मदिरा मिश्रित इल ओहि मदिराकेँ पान
करलाक उपरान्त मदिरा तामससँ प्रतिक्रिया
कड तामसकेँ उदासीन बना दैत इल। खरिहिआनक
एक कालमें चापाकल इल, जेकर अंतिल आ मधुर
जलसँ लोक तृप्ति होयत इल।

दलानक बगलसँ ओजान अरबाक रास्ता इल।

(३)

एहि प्रकार पूरबसँ दत्तान आ रुकटा धर, उत्तरसँ
दूटा धर, पश्चिमसँ दूटा धर आ दक्षिणसँ दूटा धर—
सभटा पक्का-पौरवरिया-पातन। चारू कातसँ धर,
बीचमे ओजान बैसनमहर। पड़वरिया आ
उत्तरवरिया कोनमे दूत पर जराबाक लैल सीढ़ी
हल। धर सभ बैस ओल-फैल आ बडु सुन्दर।
धरमे सुरव-शांतिक सारिता बहैत हल।

मिथलेश बाबूक स्वभाव बडु नीक, इनक
स्वभावमे शामिन् हल-शांतचित्त, समाजसेवी,
उदारचित्त, परोपकारी, सामाजिक कार्यमे सदिरवन
आजू रहब, केन्याके शिक्षामे आऊ करसमे विशेष
योजना - सचमुच जो आदमी। तेहने इनकर
धर्मपत्नी - सुशीला देवी। मिथलेश बाबूक खेती-बाड़ी
बडु विशाल, दरवाजा पर सदिरवन रुकटा महीस
आ रुकटा गाय - दूधक लैल। जहियासँ ट्रैक्टर
खरीद लैलन्हि ओहि दिनसँ बथान बरदविहीन भउ
गेल।

मिथलेश बाबूकेँ दूटा बेटा-नरेश आ गणेश। दूनुटा
बेटा नान्हितारसँ बंदमाश-रुकटा अगली लउ दोसर
खुरमुच्ची। मिथलेश बाबू कतेक प्रयास करलन्हि-जे
बेटा पढ़ि-लिखि मनुख बन जाए। मुदा दूनु बेटा
शपथ खा लैने हल कि सूरज देवता पूरबसँ पश्चिममे
उगड भजाताह, पढ़ब नहि, चाहे जे किहु भउ जाए।
हालाँकि मिथलेश बाबू पढ़ाबड खातिर दरवाजा पर
रुकटा मास्टर साहबकेँ सेहो रखलन्हि, मुदा
परिणाम खिपरीने रहल। एतेक धरि सफाईता मिथल,
जे खीचि-तीरि कउ नरेश आहवाँ तक आ गणेश
सातवाँ तक पढ़िकउ अंगूठा दाय कलंककेँ धोइ देलक

④

आ साक्षर बनि गेभ । दूनूटा बेटा टोभक भुच्चा-भफंगाक सत्संगमे पड़िकड सुपुत्रसँ परिवर्तित भऽ कुपुत्र बनि गेभ । दूनूटा बेटा बाइक भऽ कऽ दिनभरि चौक-चौराहा आ बाजारमे हिड़ियाइत रहैत छल । चौकक चाहक दौकान पर गुल्महरा होइइत आ राजनीति पर बकठेही करैत अपनाकी राजनेता सिद्ध करबाक विफल प्रयास करैत । मिर्भै-जुभै कऽ ई दिनचर्या बनि चुकल छल । दूनू बेटाक क्रियाकलाप देखिकऽ मिथलेश बाबूक आ हुनक पत्नीक टेंशन बढ़ल जाइत छल । अंतमे कनिआ परामर्शी देभरबन्हि - "जे नरेशकेँ विवाह कऽ दिओक । शायद, धर-गृहस्थीमे ओझरा कर, सुधरि जाय ।" मिथलेश बाबू नरेशकेँ विवाह कऽ देभरबन्हि । मुदा नरेश स्वर्ती-गृहस्थी देखबाक बदला कनियामे ओझरा गेभ, कनियाकेँ ओजू-पाछू करैत भागल, दिनभरि कनियामे सतल रहैत छल । मतलब कनियाकेँ बौडीगार्ड बनि गेभ ।

गणेशक सेहो विवाह करबाक वयस भऽ गेभ छल । गणेशकेँ पड़ोसक गाम कर्नोतीमे एकटा दोसर जातिक कन्यासँ प्रेम-प्रसंग चलैत छल । भड़की नव संस्कृतिक रंगमे रंगल छल जेकरा ऊपर पाश्चात्य सांस्कृतिक मेल जुमल छल, फैशनक बोरवार भागल छल भड़की ऊपरसँ गौर मुदा भीतरिया कारी । एहि प्रेम-प्रसंगक बिहाड़ि कतेक बेर उठि चुकल छल । अड़ोस-पड़ोसमे, चौक-चौराहा पर आ मौजी-मेहरमे सेहो कानाफूसी होमऽ भागल छल । एहि तरहक प्रेम-प्रसंगक चर्चा आओक अपेटि जेकाँ बहुत तेजीसँ फैलि जाइत अछि । गामक चौक पर सहन खबरिकेँ लोक नूनगर-चहदगर बनाकऽ खूब सुनाबैत अछि । जेना-आइ दूनूटाकेँ

(५)

ओहि बाधमे देरवाम्हें, काळिह बाजारक सिनेमा हॉलमे
आ परसू मंदिरक पहुआइमे। मिथलेश बाबूकें
सोहो एहि खबरिकें बारेमे एक दिन पता चलि गेल।
मिथलेश बाबू आ हुनक पत्नी गणेशकें कतेक बेर
समझौबाक प्रयास करलन्हि परञ्च गणेश नहि
मानलक। अंतमे मिथलेश बाबू मर्माहत भउ गेलाह
आ गणेशकें बिआह कउ देखलन्हि।

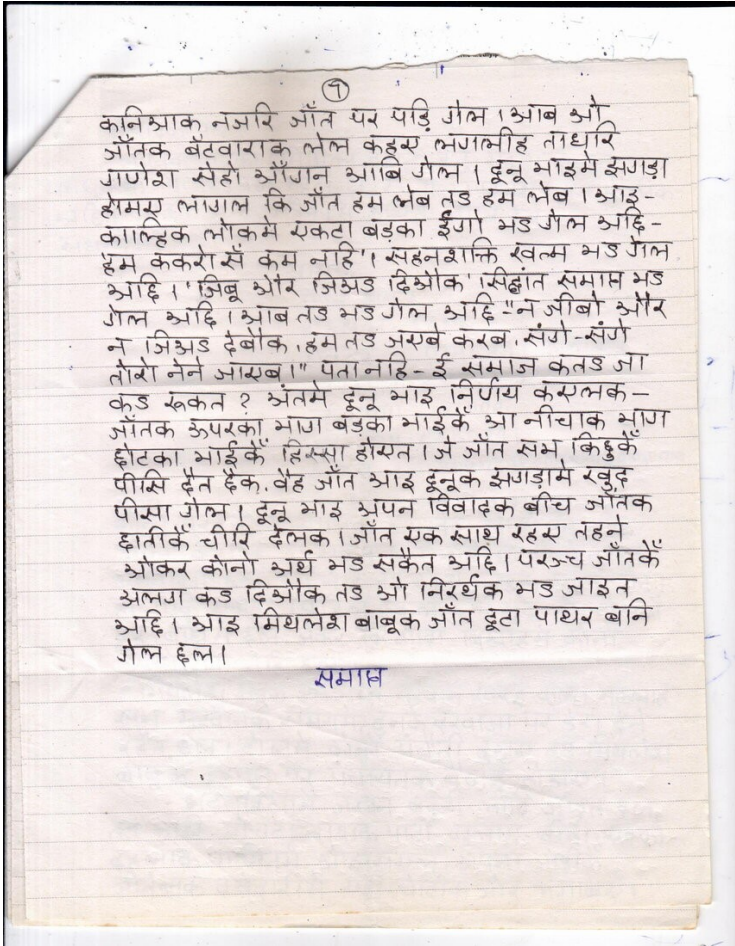
वर्ष धरि धर-गुहस्थी सब ठीक-ठाक चालि रहल
हल। बरखक बादमे धरमे खतपटक सुगणुगोहट
होमरा लागल। हुनू पुतोहू आ सासमे अनबन
शुरू होमरा लागल करवनी काजक लैल आ
करवनी कौनो वस्तुक लैल। धीरे-धीरे ई अनबन
काहियो काल महाभारतक रूप भउ लैल हल। धरमे
अतउ शान्तिक सरिता बहैत हल ओतउ आब
अशान्तिक आगि लागि गेल। लोक चाहे तउ नमहर
बातकें परदास झोपि कउ ओकरा फूसि बना
सकैत अहि आ होत बातमे मिरचाइ भेगाकें ओकरा
बतंगड बना सकैत अहि। आधारि लोक परिवार
आ समाजमे सामंजस्यताक ओलनहि बिनत
ताधरि सुरव-शान्तिक कल्पना करब असंभव अहि।
रोज-रोज कलहसँ व्रस्त भरा मिथलेश बाबूक
कलउ प्रेशर हाई रहरा लागल। ओ अस्वस्थ भउ
गेलाल। एक दिनक दिनक दौरा पडलन्हि ओ कालक
गालमे समा गेलाल आ स्वर्णवास भउ गेलाल।
एहि सङ्गमास पीड़ित हुनक पत्नी अस्वस्थ रहरा
भेगलीह ओ सोहो एक दिन भगवानक धर विदा
भउ गेलीह।
सब किहु समय पर हुआर तउ नीक भगैत अहि

⑥

मुदा समयसँ पूर्व होखब आ समयक उपरान्त तउ लोकक दिलमे कचोट होखत अछि। ई ठीकर नियमक चक्र समयानुकूल धूमैत अछि, सब किछु नियत समय पर होखत अछि - समय पर सही, समय पर गमी आ समय पर बरसात। मुदा हमरा लोकनि स्वार्थसँ वशीभूत भउ कउ प्रकृतिकँ साथ झुङ्गाड़ करैत छी। नाहि हेतु परिणाम विपरीत आबि जाइत अछि।

एहि बीच नरेशकँ एकटा बेटा भउ गेल आ गणेशकँ एकटा बेटा जन्म लेलक। ओब धरक महाभारत विकराल रूप धारण कउ लेलक, रोज कौनो-न-कौनो फसाद, पानि माथसँ ऊपर भेल जा रहल छल। दूनु भाइ सेहो एक-दोसरकँ दरबउ नहि चाहैत छल। अंतमे निर्णय भेल - रवि दिन पोंचटा पंच बजाकउ सब किछुक बँटवारा कउ देल जाए। रवि दिन साँझकम पंच सब अगलाह - बँटबाक प्रक्रिया शुरू भेल। खेत-पथारि, कलम-गाड़ी, धर-द्वारि सब किछुक बँटवारा भउ गेल। बड़का बेटाकँ तीनटा धर, दोटका बेटाकँ तीनटा धर, दलान साझिआ आ एकटा धरक दाम भेगाएल गेल। काल्हि तक जे सब किछु एक अगह छल ओइ ओ सबटा दू अगह भउ गेल, एक-दोसरसँ सब किछु आलग भउ गेल। बँटैत-बँटैत राति भउ गेल आ पंच सब अपन-अपन धर चलि गेलाह।

दरवाजा पर सँ नरेश आँगन आयल, अपना हिस्सामे पड़ल उत्तरबरिया धरक दूधारि पर पड़ल जाँत पर ओकर नजरि पाड़ि गेल। सरवन धरि जाँतक बँटवारा नहि भेल छल, जाँतपर ककरो नजरि नहि गेल छल। नरेश जाँतकँ धरमे राखब भागल, तरवने गणेशक



—तित्त त्रैकव, म.नं.१९, मञ्जुव-९, दानी हॉटेल व निवास,
 दमोदाबाद, दसतगढ, दबियाला, दसत-
 shivshankar0040@gmail.com

शयन मंत्य editorial.staff.videha@gmail.com दब दमोदा

९. राष्ट्रीय जनविज्ञापन- यसबल तस तस्य दत्तः गञ्जलक संदत्तम



राष्ट्रीय जनविज्ञापन

यसबल तस तस्य दत्तः गञ्जलक संदत्तम

1

शमितात् वञ्चन (Amitabh Bachchan) 2022 म् द्वाब् शयन मुयबादित् विञ्ज त्ना 'कौन बनगा कबाडियात (Kaun Banega Crorepati)' म् द्वाबीयब गलात्ता यदि "कौन बनगा कबाडियात" क्ब द्वागाम् गकट्ठ क्दंष्ट्र्यांष्ट् शमितात् वञ्चन (Amitabh Bachchan KBC)क् द्वागाम् द्वांष्ट् मीद्वयब द्वासल द्वावि श्वा विग दी क्दंष्ट्र्यांष्ट्र्याम् सवाल क्द सद्दल द्वाविना विग दी क्दंष्ट्र्यांष्ट्र्याम् द्वावे द्वाविन- 'यदिममम् कन वसुम् जीयीयम् क्ब द्वाज्ञाल्ङी लागल द्वा?' यदि म्गल वञ्चन जी क्दंष्ट्र्यांष्ट्र्याम् योविद्वय ओङ्गन द्वा द्वाविना।

शमितात् वञ्चन यदि सवालक उवाव क् लिय ओङ्गन द्वावे द्वाविन- 'A) द्वाकृष्ट्यबाकृष्ट्यब, B) द्वालीविञ्जन, C) म्द्वलाकृष्ट्य, D) 2 द्वाञ्जबक नाद्व.' शमन द्वासल क्दंष्ट्र्यांष्ट्र्या यदि यञ्जक उवावम् D ओङ्गन यानी 2 द्वाञ्जबक नाद्वक् पुनेत द्वावि यदिद्वय

વિગ લી વદલોલિન ઝા રૂ ઝવાવ ગલત શબ્દ મુલા વાંટાશાંટાવાં
ગાદિયવ વિચાર ને લાલ્લત બો શા વદે બે 'મદાં દમવા મંગ
મઝવા (ચેવા) વાs વદલ બી ન"

ગાદિયવ વિગ લી વદેત બિન ઝા મદાંક ડમમ મયમ ગલત
શબ્દા વાંટાશાંટા યાવ વદે બીન ઝા દમ ચૂઝમ તં લ્લગત વલ્લન
મદિયે તં ગાદિમ દમમ વન ગલતી? ગલતી તં યત્તવા મતદવા
બો શમિતાત વચ્ચન ગાદિયવ વદેત બિન-ગલતી યત્તવાવ વદે
મુલા નાવમાન તં મદાંક તલ ન, શા મારૂ વદેત બિન ઝા યાવ
લવાંમં મદિલન વયવાવ યાદી શા વદલોલિન- 'ફન ઝાદાંમં
તટ્ટાગ વટ્ટાવ લી મુલા શાદિમં યાદિન શાવવા યવા વાs લી ઝા
રૂ મદી બે વા લિ ને"। યામા જયમ વચેત માની ટી.તી જાવા
રૂ લિલલ લાલ વેજન બલ- 'દમ મત મવટ્ટા મદન લાવવાં
ઝને બી ઝા દમવા મનવાંવટ્ટાલ્લ ઝનમની લવાંમ મનાવેશા
શાદન લાવવાં વમંટ્ટામ ટ્ટાગ વાવા શા દુનવામં વદે ઝા- 'ફન
ઝાદાંમં તટ્ટાગ વટ્ટાવ લી મુલા શાદિમં યાદિન શાવવા યવા વાs
લી ઝા રૂ મદી બે વા લિ ને"। રૂ યવા તીંડિયા ગાદિ લિંકયવ
વાલિ

મવેત

બી- <https://www.youtube.com/watch?v=r5JS2fZU70U>

2

હયમમ દમ ટીવી વલા યમંગ ગાદિ લલ લલદં ઝા વલ્લ 2021 મ
યવાંતિત તાવાનંદ શા 'તવાલ' ઝીવા વલ્લિત મઝલ મંગદ "શ્વ-
શ્વ લ્લજત વદમ" વાવ જીમિવા વટ્ટાવાવ લલ તટ્ટાલા તટ્ટાલ તં
યવા યાલી મુલા દમ જીમિવા શ્રીવ વદવા ગાદિ મંગદમ વાલ વટ્ટા

त्रिमिक ब्रै यदिल गंवात्र गुंजन जीव लिखल या तकब वाद
 दामब गदन लखव झाबा। तकगजी गदन त्रिमिकम लिखे ब्रि
 (युक्त-11)- "शाना गजलव दिखु आकबरा मदा दालत ब्रैका
 जना दिखु विद्वान मादिग्र यमीव गतिमत ब्रिना तादि मं दम
 दूरातः गनतिरु बदल ब्रि। विगत कतव दत्तव मं दत्त-यतिव
 म झिडियेल गजल मत्त दहावाक मुत्ताग तट्टल गिब, वेद दमब
 लिखल गजलव गंधाब बदल गिबा तैं ऊं गजलव आकबराव
 गनुकाय रू गजल मत्त गनियिट द्वा तैं तादि लल जमा वादव"
 तकगजीव लिखलमं रू गृष्ट गिब ऊं या दत्त-यतिकम यकाति
 गजल दाहा गदन लिखलना। या तंरु गमितात दधनव कदग
 दहेत ब्रि- कून ऊदांमं तट्टग दट्टाब ली मुदा गादिमं यादन
 आकबा यव कऽ ली ऊं रू मदी ब्रै वा कि ने"। या तादिम
 तकगजी द्यल तऽ बाल ब्रि या गादि उयम ऊं कऽ मत्त मदनीत
 नाकमान तऽ बालना। शाना दम तैं कदव ऊं तकगजी मदीमं
 कना यातिक ने दहान दता कबरा ऊं दहान ब्रिदताब्रि तैं दुनक
 जीवन या, कविवर मीताबाम या, मधुयजी गादिव गजल तट्टल
 ब्रिदतीन या दुनक गजलव आकबरां यबियय मदा तल
 ब्रिदतीना। गृष्ट ऊं तकगजी "ताबती मंडन" मन यातिकमं
 ऊंरुल ब्रि या या गृष्टान कबवाम यदुगागल ब्रि ब्रि।
 गंवात्र गुंजनजी गदन त्रिमिकम गागल गीत बान ब्रि गादिम
 कना नव वात ने ब्रै वम दमबा दुनकमं गकट्टा वात यदवाव
 गिब ऊं जीवन या, कविवर मीताबाम या, मधुयजी गादि मत्त
 गजलव आकबरायव गजल लिखन ब्रि तंरु दिमाव गादा मत्त

शास्त्रीनक गऊल दौंडत बढता कि ने बढता (दल्ल दूत-८)।
 कल मिला कऽ "झब-झब लुळत बढत" नामक दाबीम ऊ
 बढना मत शब्द म गऊल ने शब्द कबल शादिम बढब-कादिया
 शादि ऊ गऊलक अनिवाय तय छै तकर दालन नाद तल छै।
 शा बढना मत कविता, गीत शा कि शान दिख तऽ सकेग मुदा
 गऊल ने शब्द छिनक लु बुझलत दालन ऊ शादिम बढब छै
 शा बढबक निश्चाय माता मंदित कऽ दबि।

3

मनाऊ जालिअ कब कबित गऊल संगद "दाऊव दबील बढल
 छै" कब तूमिदक गंत दल्ल ऊग-- "दमबा लल गऊलम मुअतः
 दूटा तय गावअक शब्द, ऊकब दम यबासंतव अनुयालन कबैत
 बी। यवम शब्द, गऊलक दाबअबिक त्रिअक
 शाबाबदब, मतल, बढब, बदीय शा कादियाक अनुयालना गतय
 दूटा बिभुयब दम दूटा लेत बी- दादल लु ऊ, दम मकताम
 तल्लुमक ययाग नदिय ऊकां कबैत बी शा दासब लु ऊ, दम
 बढबक अनुयालन शंकगायतीय दधीतक बऊग यबक
 शाबाबदब कबैत बी। म शादि कबल ऊ, दम मानैत बी ऊ
 तल्लुमक ययाग कयन गऊलम कना गुलायक बूझि नाद
 दालत छै शा ऊकां धीब बढबक मवाल छैक तं माता-गयनाक
 उद्वअ लुला दालत छैक ऊ उद्वबलम संतुलन बनल
 बदे, ऊकब अनुयालन दम यबक शाबाबदब कबित बी। दासब
 गावअक तय ऊ, दमबा लल शब्द म शब्द कअ। शादि मागिलाग
 दम दिदीक कलऊगी गऊलकब दुअंत कमाबक 'झल'क

गुनुगामी श्री", (दृष्ट-9)

गोदि शंभुस मत्त तम-तम गच्छि मुदा दू दृष्ट नमस्तु तमयस तम
वात कबवा योदित तमिदम ऊ वदतवक गुनुयालन शबक
गोधावयव कबवाक वात तल ब्रे स गोदिव की ब्रे? कन बंद, कन
वदत, कन गदन मीद्वय ब्रे ऊ बि शबक निश्चित गोधावयव
ने श्री मत्त ब्रे ऊ मातृक बंदम दादक लिय तं 13-11 कब
गलाव गोदिस गोबा नियमक यालन कबग यडेत श्री तं ऊ
बिया ऊ कदाबि ऊ तम शबक गोधावयव गऊल लिखित श्री तं
मीध्व द्राय लिय ऊ गो मविधावादी ब्रि गो गुयना दिसाव वाञ्छि
बदल ब्रि कबरा ऊदन कना निश्चित शबयव बयना दते तं
गो बंदावश्च दते ऊना गुनुश्रुय, दादा, मवेया, गऊल गोदि मुदा
ऊं गनिश्चित शबक गोधावयव बयना दते तं गो गोधुनिक
काविता, गीत गोदि दते। गोदि तमिदक मत्तमं गोयज्ञजनक वात
ऊ ऊ लदक गुयन कमऊबी नुक्वाक लल दुश्चंत कुमाव कब
नाम लऽ ललादा दुश्चंत कुमाव दिंदी गऊलम कश्च कब
याववत्तन कलाद मुदा वदतवक मंशा ऊ दां शंकगतीतीय
वदतवक यालन कबेता तम गुनक गाम उदादबरा दन श्री वगद
उदादबरा मत्त गदू गाम दऽ बदल श्री-

दा गऊ दै / दीव यवत /-मी दिष्टलनी / गोदिग,
लूम दिसालय / म कऊ गं / गो निकलनी / गोदिग

गोदि गऊल वदत गोदि 2122 / 2122 / 2122 / 212 गोव
गदां मत्त गो गऊलक उयवा कऽ ऊयि मवेत श्री

मत वदत शकत मं वदत क्षना दे

यद बिमी वी अतिगत शलाघना दे

शदि गञ्जल वदत शदि 2122 / 2122 / 2122 शव यत्तां मत
शे गञ्जलकं उदवा वऽ ऊँषि सदेत श्री।

यदव गतिविज्ञ दुश्चंत कुमावक शाना गञ्जलकं यत्तां मत यदन
ऊँषि सदेत श्री। मोक्षलक शानाव द्वाकृत बै ऊ ऊदन यदव्य
सवत शदि ऊकृत बै तदन श द्वासव नाम लऽ लत तंल
दमवा दूयल शदि ऊ मनाऊ त्वाष्ट्रिश्च वव तिवश्चक द्वावी मतम
यदम शांडवी श कि शाना नाम लीखल तद्वत तंल दम यदी
शाम यदम शांडवीक दू द्य गञ्जल श शकव वदव दद्या वदल
श्री-

गञ्जल व ल यला यव गांव व विलकत नञ्जावां मं
मुमचाल दान क दम दुष्टता दे लून यदवी ल्हावां मं

शदि गञ्जल वदत शदि 1222 / 1222 / 1222 / 1222 शव
यत्तां मत शे गञ्जलकं उदवा वऽ ऊँषि सदेत श्री।

तूव व यदमांम व त्रिवा-मुखन तव ल यला
या यदव व मुयलमां वी शंजुमन तव ल यला

शदि गञ्जल वदत शदि 2122 / 2122 / 2122 / 212 शव

शुद्धं सत गो गञ्जलकं उदयवा कऽ ऊँचि सक्तेत श्री॥

कुल मिला कऽ दली तं मनाऊ ज्ञाष्टिअ गयन कमजबीकं दुअंत
कुमावयव शाबायित कऽ तम दमावन ब्रिवा दारककं तय
कबवाक बनि ऊ गदन तमित लखक कब बयना मंग वी
कबवाक यादी॥ कुल मिला कऽ गक दब द्यब दम कदी ऊ
"वाऊव बदलि बदल ब्रै" नामक द्याबीम ऊ बयना सत शिबि म
गञ्जल ने शिबि कबल गदिम बदबक दालन ने शिबि या बयना
सत कविता, गीत या कि गान किबु तऽ सक्तेय मुदा गञ्जल ने
शिबि।

4

"नव मुञ्चक शाबिगान" रू द्याबी बनि दमयंद दंउऊका गदिम
मंउलित बयना सतकं दमबा "कवित गञ्जल" कदवाम सदा
लाऊ दाळत शिबि गदि द्याबीक तमिक लखक ब्रिब कमलमादन
पुन्ना पुन्नीक कवित गञ्जल मंगदक गालायना दम कऽ पुकल
श्री या ऊ दहण दताद म वसित दताद ऊ पुन्नीक लिखल
तमिक बला द्याबीक बयनाक सब कदन दते द्याम कऽ ऊदन
कि शाकबा ऊदन गञ्जल कदल बाल द्या कुल मिला कऽ दंगय
बाल दवे ऊ शुद्ध द्याबीक बयना सत गञ्जल ने शिबि।

5

"दंगल मालायम बोद" रू कवित गञ्जल मंगद बनि वामद्वब
नितांत ऊका गदि द्याबीम कुल द् द्य तमिक शिबि दितल
वामलायन गाकुबजीक या द्यामब नितांतजीक बयना मंगदि-मंग
ताबदा मिजाऊक गातीवयन सदा ब्रैक द्याबीक दखिला कतब

यज्जयन्ता नामलायनञ्जी गयन त्रिमङ्गल लिखे ब्रह्म ऊ " मत्तला कसिय्या वदन् गान्द गवन् वान्ना नदि दाल्लत ब्रह्म" (युक्त-6), नामलायन ऊ गजल विधाव नदि बलात् तल्ल्या गदन वात मादमयवक लीलि सकेत बलात् नामलवञ्जी गयन त्रिमङ्गल लिखे ब्रह्म ऊ "... तौ वदन् (ब्रह्म)क दृष्टिगं ऊट्पल बदिता क्कना तायाम लिखल गजल त्रिगुण ग मंदव त' ऊल्लव", (युक्त-9), गा लु वात मदी ब्रह्म मुदा दुल्ल गतव ऊ नामलवञ्जीक कवित गजल मत्तम वदन्क क्कना लाम यमाल नदि तट्टला यत्त-कुत्त वदन् मीवक यवात् मन दुयना ऊल्लत ब्रह्म मुदा गान्ना क्कना मायाम कयम नदि ब्रह्म मंतवत्तः गान ऊक्कं नितांतञ्जी लयत्त दूरे ब्रह्म ऊ ऊदन योत्त लिखा लाले मयत्त वदन् (ब्रह्म) तऽ लाले

कुल मिला कऽ गद्द याव्वीक बयना मत्त गजल नदि गंध कवल गान्दम वदन्क यालन ने गंधा मुदा दमबा लु मानवाम क्कना मंतव नदि ऊ गान्द मंगत्त बयना मत्तम कसिय्या गा बदीय नीक ऊक्कं निवात्त कयल लाल ब्रह्म (विद्यु गयवात्त ब्रह्म)। तंल्ल दमबा नञ्जिबम मोक्षलीम कवित गजलक ऊ त्रुंलला ब्रह्म तादिस लु याव्वी गंधा मुधांजु त्रुलव बोधवी वावा वैश्वनाथ, गंधवित्तु गाकुव गवं वेदंग गा वात्त लु यांयम गदन लाक ब्रह्म जिनकव बयना कय गदनान्तिस गजल वान सकेया ऊ दमव वात नितांतञ्जी लग कसिय्या यदुंयान तं ऊक्कं गा गान्द वातयव लोव कर्वावा

गान्द याव्वीम त्राववा सिन्नाञ्जीक गात्रीवयन की मानि कऽ लल लाल ब्रह्म नदि यत्ता ऊ मंगीतक क्कना याव्वीयव त्राववाञ्जीक

बयन बंदितनि तं या मानवाक वाञ्छता दमबा बंदेत मुदा यदन
ने छे ऊ ताबदा सिङ्गाङ्गीक लिखलामं कना बयना गऊलम
बदलि छतो कुल मिला कऽ दखी तं बामबङ्गीक बयना गऊल
तं नदि बनि मुदा गऊलमं दसी दूबा नदि बनि।

6

"मऊना सिनदिया" कब लखक बनि मतीत माऊना यदि याबीम
गीत दसी गनि या यदन बयना ऊकबा गऊल कदल गल छे
म कमा शाना लू मत गऊल बंदी नो यदि याबीम कुल दू ट्पा
तुमिक गनि यदिल गऊत गऊद या दामब लखक कब यदना
यतावतः ऊदन तुमिक लखक गऊत गऊद बनि या
ऊयगामाक गऊल कदि सकेत बनि कना ताबी बात नो लू
यहा गनि ऊ यदि याबीम गऊल बिधाक कना बयना ने गनि।

7

"बुद-बाग" लू कबित गऊल मंगद धीबहु यमयिङ्गीक मंगदनम
बदलित गल बनि यदि याबीम नयालक युवा मतदक बयना
मत गऊलक नामसं गयल गनि यदि युवा मतमसं बिबु युवा
मदनती तऽ सके बलाद मुदा या मत यमयिङ्गीक यमाबल तमम
दांसल बनि गरु दम कि किया युवा मतकं लू कदि उगादित
कऽ सकेत बी ऊ पल कलि तन लू मत मदनीत कबता। मुदा
यदन कमऊबी नुक्काक गनि तंलू युवा मत मदनीत ने कबनि
यदन बात मायब मादिथ मंषा बल दतो युवा मतकं मदनीत
कबवाक यादी मुदा यदि मंगदम यमयिङ्गी यदन तम, यदन
कमऊबीक नयालक युवा लखकयब लादि दन बनि या ऊगद
कबे बनि ऊ युवाक कमऊबी बदल दम मुबडित बाप ऊगवा

दिनक किछु तम, कमजोरी या दुर्गा दिनक लिखल त्रिगदम
 तृष्ट्या यन्त्र-13 यम यमद्विर्जी लिखे ब्रह्म- "तथापि यन्त्र उल्लेख
 शक्ति उ उक्तवा दम गजल कति बदल द्वियेक वा उ बयना
 मत्त गतिम मन्त्रादित शक्ति म की गजल द्वियेक? ऊं शास्त्रमं उल्लेख
 दत्तक यदिन लू यन्त्र श्रवित तं यत्क नञ्चि दक्षितदिं कथा
 कति दितय-विष्णुल, लू गजल द्वियेक। मुदा दक्षिणा समय दगय-
 दानि या शक्तिविक गुणवसायय मात नदि तऽ गजलक गतितीय
 मत्त किछु कञ्च द्वावऽ लागल ब्रह्म या उल्लेख गतितीय
 मत्तमत्तक लांययय कना बयना दुकस नदि दैमेत ब्रह्म तं
 शक्तिवा गजल कदवामं यवदञ्च कथानिदाय शक्त्या जमात
 मत्त मन्त्रिय शक्ति मन्त्रात्ता शक्ति जमातक विद्याय या शक्तियानक
 मत्त मन्त्रान कवेत श्री दमा दमय धारणा शक्ति उ मत्तवञ्च
 कञ्चक शक्त्याम कलामुचम विज्ञाय गतितीलताक माग मत्त दान्त
 कवेत।

कना यमलक वीञ्च कतदमं शायल दुग्ग, ऊदि जमीनम
 शक्तिवा दनल गल ब्रह्म शक्ति माद्विक उबवात्तिता शवं बोद-
 दमात शक्तिवा ऊदि कथं जनमऽ, दनयऽ या द्वावदगम यत्ताव
 याहेत ब्रह्म म शक्ति यमलक गुण द्वाकत ब्रह्म लू वाकतिक
 नियम द्वियेक। मेविली तायाक शक्त्य, मुगध या मोक्षव गजलक
 कन कथं शंकाजन शक्ति या समय-कमम द्वाकत बदल बाङग
 किंवा बायनीमं द्वावदक गजल-वृद्धम कन तबदक दाल लागल
 शक्ति; उगद मेविली गजलक मुञ्चा मुञ्चाद या शक्त्य तऽ मवेत
 ब्रह्म शास्त्र ऊं यं. जीवन या मदूत द्वावमिक गजलकबलाकानि

गयन मानसक माह्मिमान मानिकऽ मोक्षिलीक वायवयम गजलक
 वाङ्मय नदि कयन बदितावि तं जानि नदि सामदव, सियावाम
 या 'सबम', कलानय तक्ष्म, बवीधुनाब गाकुब, डॉ. बाङ्गु
 विमल, डॉ. तावानय वियागी, यङ्गुलबदमान दाहमी, डॉ.
 नामदेतय धीबङ्ग, उगदीतययु गाकुब 'गनिल', डॉ. धीबङ्ग
 धीब, धीबङ्ग धीबङ्ग, ऊनादन ललन, डॉ. दवतक्ष्म
 नवीन, नामतवाम कयडि 'हमब', डॉ. विज्ञति गानय, डॉ.
 नामदव या, दावा वैद्यनाब, डॉ. त्रय्यालिक वमा, डॉ.
 कमलमादन युम, डॉ. नबङ्ग, बाहन ऊनकयबी, गङ्गित
 गाङ्गद, जियाङ्गबदमान ऊयबी, गङ्गाक दम मङ्गु
 बयनाकबलाकानि गङ्गल नामसं किङ्गु लिखवाक मादम कबितावि
 वा नदि! ऊं उल्लिखित माह्मिमानसक गतिविज्ञा मेकङ्ग
 बयनाधमी गङ्गलग कलम नदि तङ्गित बदितावि तं बाङ्गुवबङ्गन
 मिह, नवलत्री यङ्गुळ, दीयनाबायल विद्याबी, गात्रिय
 गनीयज्ञाब, मोक्षिल यज्ञाह, यदीय युथ, गमित मिह, कयनकमाब
 कल, बालगुङ्ग, गतिताय गाकुब, गमित मिह गादिमन बयनाकब
 जानि नदि गङ्गल गङ्गयन-लखनादिस यवत तऽ दावितावि वा
 नदि!"

हुनकब यदि त्रिमिकक त्रिकशातम गदन ऊमात कब यवा कबे
 बाबि ऊ विना नियम बयनाक गङ्गल कदवासं यबदङ्ग कबेग
 मुदा यमयिङ्गी गतक मादम किगक न बीन ऊ या विना नाम
 लिखन यवा कबे बाबि माह्मिमान बाबि तं गके दोगा मादम
 बदवाक यादी यमयिङ्गी लगा त्रिमिकक दासब तागम यमयिङ्गी

गञ्जलक लक्षितदासकं गलत कबवाक कान्तित ययाम कलाद गञ्जि
 गति वसंगम मेखिली गञ्जलक कञ्ज मन्ना मावञ्जनिव गञ्जि गा
 यमयिञ्जि क वञ्जन मन्ना दम दलदं दायक तय कऽ लतादा
 गकव गतिवन्ता गन्ती त्रिमिकम यमयिञ्जि लिखे ब्रह्म (दूत-14)-
 "मुदा गाकवा (बयनाक) लाबिञ्ज कबवाक कबवाक गञ्जिदब
 वा सामञ्च्य ककवा नादि बदेत ब्रह्मा" गति कञ्जनक की मतलव
 ब्रह्म म दमवा नादि दुसागला बयनाकं किये लाबिञ्ज कल्लय न
 मकेय मुदा कना बयनाकं लखक ऊवबदसी लवल लगा कऽ
 यवसवाक ययाम कवे ब्रह्म तं गति लवलकं लाबिञ्ज कबवाक
 गञ्जिदब ममीञ्जि-गलायककं ऊकं दल गल ब्रह्म ममाञ्ज झावा
 गा तंलू लू कदवाम कना मंकाय ने ऊ गति याबीक बयना
 गञ्जलक मायदंडयव ने गञ्जि

ब्राह्म कलखंड लल यमयिञ्जि निमादि लताद मुदा त्रिविचम ऊदन
 मदनती युवा मतदक योञ्ज बदेत तदन दुनकव कञ्जक
 नामानिज्ञान नादि वयताना

8

"विद्युगामक वलिवदीयव" लू कवित गञ्जल संगद ब्रह्म गञ्जित
 गञ्जद कवा गति याबीम कना त्रिमिक ने गञ्जि गान लाकक
 कवित गञ्जलयव लीदय दला संगदम त्रिमिक लीदय दला
 गञ्जितजी गदन संगदम कना त्रिमिक किय न दलाद म वात
 ऊं गञ्जलक नामयव बिद्युग लीद दवय दला लाक मत दीय
 ऊय तं गावा समया गादीगाम दन्म तऽ ऊतो गति संगद बयना
 मत मन्ना गञ्जल ने गञ्जि

9

हम यदिनही कहन बी ऊ अज्ञागत तोबयब हमबा कना
 गाऊव कि बबबाव बबनामं दिक्कात ने गाँवा गकट्टा दारव
 तोबयब हम गाँवबा मतकं दह्येत बी। हमबा दिक्कात तहिन
 दाह्य ऊहिन कि कना बिधाव नामयब हम दमाबल ऊह्यत
 बी गयन कमऊबीकं नुक्ताव लल बिधाव नियम मंण मऊव
 कगल ऊह्यत बी उयबम ऊतव दायी ऊतव लखव कब नाम
 हम गनलहुँ म मत गयन कमऊबी नुक्ताव लल हम दमाबन
 बी। गाव ययाम-मय बबना बी तं कन न कना बबना कय
 दिमावं नीक हव कबते, किछु द्यौत नीक लगव कबते मुदा
 तबब नाम गऊल द्य किगव? कविता बाहिर लिग नाम ऊहिन
 नियम कब दालन कबित ने बी तहिन गा गऊल कना? नमदब-
 नमदब तूमिक लिहल ऊह्यत मुदा ऊँ गवो द्यौत गादिम गयन
 कमऊबीक वाबम लीखि दल ऊग तं गहन ह्राउ बी ऊ कना
 दारव कि कना गलायव लखवकं द्यामी लगा दतो मुदा ऊँ
 ऊँ मत गदिना हम दमाबेत बदता तं कना न कना गलायव
 दिनक मतकं नयेत बदत गा गदिना बकब कदेत बदता लखव
 गयन कमऊबीकं सावजनिक कबेत बबना लीखि ऊँ वमी
 लमानदाब गा मादमी कऊ दतो।

गऊल नियम यदि मत लल बी तं गावब द्युत मद्दा मत लल
 बी मुदा द्युत उययाग वगद कऽ सदेग ऊँ कि अनुज्ञासित
 दाहि। बाँकी गालमी लाव लल द्युत की गा नियम की?

शयन मंतथ editorial.staff.videha@gmail.com दय दण्डा

९.यज्ञ दय

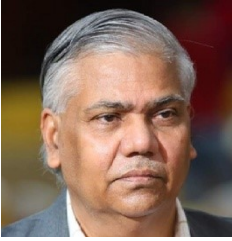
९.आडा विज्ञाव मिह-कद, उदवाग दिगळ कदा?

९.९.निव कमाव या दिगळ - ९ दय दय

९.९.ममता कमावी- मिबिला दयव

୧.୬.ଡା ଭିନ୍ନାଭବ ବଦମାନ ଜୟାବୀ- ୧ ଯା ଶାଞ୍ଜୁଦ ଗଞ୍ଜୁତ

୧.୬.୬ ବିଜ୍ଞାନ ଗିହ- ବଦ, ଉଦ୍ୟାଗ ଦିଶୁକ ବଦବା?



बाहु किजाव मित्र, बिद्वान्मह गीदा ऊनबल
मेनऊव (रू), बी.एस.एन.एल.(मुख्यालय), दिव्शी.गाम- शबब
जीद, था. शबब दाहा, मधुबनी

कद. उदयग गिरी ककवा ?

लय ति मि ब -या त, बी हूमि बदल,

तबवा क शब्द क लज्जा त मं,
तीव क'ऊहन वम कबेत बी ,
तम तीव ऊ लज्जा क ना वशीत मं
मं

लज्जा त -गुना बक -मयश्च क
शा रबा वय लल कदि गौनी कि नका ?

गदि , शासबा ह क लल यनि ,
कद. उदयग ग दि गौनी कि नका ?

वा वीव वि ला बाले दक्षि या म,
बे मुखा बदल , लत म धा न,

मह्य नि यमा तल, बाल कत '?
दबमय, देव धा न म या ला

दखि लि गो, ब्रे कदन तल?
उलवा दक मनमा दां त, नखबा ,
कि नक कदि गेनि ? की कदि गेनि ?

कद, डयबा ग दि गल्ल ककबा ?

यव क लक नी क कतक ,
ह्महल ऊ लत गबि यबमया ,

नदि बुमा लत गबि , कि नक कदि गेनि ,

कद ,डयबा ग दि गल्ल ककबा ?

तेवां ह्म ऊमी नक गल्लकब म,
डमबा दी लत 'यडल बलबा ,
कद, डयबा ग दि गल्ल ककबा ?

तुच्ची गा ब यब गाम ले धि ,
गयन मं कबेब, तां ह्म-बलबा
कद, डयबा ग दि गल्ल ककबा ?

शुनमा ना न त' दवेत बै,
त'ऊते कखन धवती -कयन,
बोछ ता नदि बबि ,वमुधबा ,

दा छत बनि कि गव, कां यय क मन?

कि नक यबि गनि ? क, की कदता ?
छ उयबा ग, कि गव कि या मुनता ?

बछान वि नु, दुता अ गावि ,
कि गव वसा दैत गबि बगडा ?
दमबा वि म म नगात बले की ?
कद ,उयबा ग वि गछ ककबा ?

कगला द गंधवि द्वा मक द्वा ब,

उगमगा गल, मि बि ला -मा बक द्वा ग,
बेह नि क मा य शुनमा दां त बनि छि नक ,

दुनकब दुता गव ऊ गल ता गा

वि छ न यब वि द्वा म नदि छि नक ,

कहू, डयबा ग दि योनि कि नक ?

तयत या दू यि बैत क ल,

या कि ऊ लूत बनि मुद डि नक ,

यदी कहू, या की कबता ?

ऊ क' डयबा ग दबि नू कि नक ?

ता मि -क डि छत दम बा यलदू,

डगि बाल गयन मं लगबा ,

कहू, डयबा ग दि गलू ककबा ?

मि नक कतग मं छा बि दि गलू?

ति लक ड, मा ब ,मल्ला न म,

बाल कतग या गयनेती ?

दबमा लू बल मतक दला न म,

गयनेती , मा न, दि बदयक ता व गबि ,

दछत क ना , कदि योनि कि नक ?

कहू, डयबा ग दि योनि कि नक ?

९.९.त्रिव कुमाव या लिख - ९ ह्य दञ्च



त्रिव कुमाव या लिख

९ ह्य दञ्च

१

मुबदेया'क कखब म

बलिदुत तामनक बल बल

धम्म'म मनातन बलाल बल

मूबति ने दूऊव मुदा -

तबलम गझामि कब ललकब बल !

त्रिव ताना वैश्याव गाबंत बल

दुमाळत ने आस्य तब दहन मिश्रंत बल

तखन जनमल सीताक धवती दब

वनदा साती दूकया मुबदेया क दादि'म

गकट्ण पिलक ..

जादि साती म मात माथान तादा'म दानि

गाकब कखब म जादि दलक आस्य कब कुमुम

ଦ୍ଵାବ ଦି ଚଳ ? ଛୁ ଉନାସି ଉଗବନାସି
 ମନାତନ ଦତ୍ତନ ଦକ୍ତଲଦାନି ଛୁ ଘିଲକ ନେ
 ଶାଘାୟ ଶାସି - ମନାତନ ଦବ ବଢ଼ାକ ଉଦୟନାଘାୟ
 ମୁଦା ଯାତନ ମାତ ଦତ୍ତନ ଶା ବୈଜ୍ଞାସିକ ଜାଧ ମାତ ଦବ
 ବିସୟ ଓ ଦାନ ଶାଲ ଶାସି
 ଦବୋନୀ ଦ ତବଲ ଚଳ ଜାଧକ ଓଦା
 ମାଧା ବଦଲ ଶାସି !!!!!
 ଦାକଓ ଦାହବ ତବଲ ଶୟନ ଓଦୟବ
 ହସ୍ତା ଶାବକ ନାବ'ମ ନିତ ଦୁଓ ଶାନ
 ଉନିତ ମାତ ମନ ଦାବିୟନ ଗାମକ ଦିଷ୍ଟ ଉନ - ଉନନୀ ଲାଦାନି

୧

ଶତକମ୍ପ

ଫଳିତ ବଦଲ ଶ୍ଵଳତ୍ଵ ଧୃଗୀତକ ଦୁଲଦାବୀ'ମ
 ବଂଶାବିବଦା ଦୁଲ ଦବ ମୁଗନ୍ଧକ ଶାନନ୍ଦ ଲେତ
 ଶାଦି ଦୁବା ଶାଲ - ଯଦାଟ୍ଠ ଗୀତ !
 ମାୟ' ଲଗଲତ୍ଵ ବିସୟ- ବିମତ୍ତ
 ଦଶା'ଦବ ଲିପିତ ଉଘା..?
 ଦତ୍ତଦ ବାଞ୍ଛାକ ଦଦା'ଗାମ ତ' ଦାନା'ଗାମ
 ମାଦାଶାନ ମାଶାନକ ଶାନନ୍ଦ
 ଚକଦବନ୍ଦୀ ମିଲାନ ଦବେତ ବଦଲତ୍ଵ
 ଲିପି ଲିପି ଦ' ଦମ୍ଭା ଦାଞ୍ଚିତ ବଦଲତ୍ଵ
 ନୀକ'ମ ନୀକ ବଦଦାକ ଦୟାମ ଓ ଶ୍ଵଳ
 ଦି ଶ୍ଵଳ ଯନୟନା ଓଶଳ ଦଦ

लागि बाल बल गाऊबक बायब

उ'ब'म' मान गयथांत

कदलक दीया -झाडि न दिया

दाब लिख' लगलदं -- गतकांत

९

शिवबल शान्ति (गीत)

वीतल झल दाब झुबिद' गावय गावब मंग'म दोडी गय

यल मदी बिबु कल'ल नेदब छलब यिनी दोडी गय !

बमक बट्ठकन बाव'क लाब माय मिनदक डंठण गय

यल तायमंग दाबा कबवे ऊ विमबल गा टंठण गय

दमबा दिन्न तं दाळ गाढा बबि कदबि रू दाती लोबी गय !

मुन बा मुनियां बिया कने बं ऊ छलं बिनी बिनी

ढणढामक गादवात उडाक' कदबि दमब आट्ठक यिनी

गादिगां बट्ठगामिन वीन बालदं गांऊब कबम दुलोडी गय !

मामुमाय नदि बिबिदक धाय बबि बमक दब मंझाब गय

द'म मूर्तलि बी गयन मऊदब गाद वनावबि ताब गय

द तिव छेष्टब बट्ठ वनलो गादिगां बम तिलोडी गय

बो

बयनायब

गयन

मंतत्र editorial.staff.videha@gmail.com दब दगाडा

९.९.समता बामाबी- सिद्धिदा कृष्ण



समता कामाची **मिथिला दयाब**

हम मिथिला के वासी ,
बाजब हम्मर मैथिली अछी।
मंडन मिश्र के आंगन में भारती ,
शंकराचार्य के हरौलन अछी।

विद्यापति लेल जहां महादेव ,
उगना बनी ऐला।
एहन मिथिला गाम हम्मर ,
जहां सीता मां जन्म लेला।

थानेश्वर , कुशेश्वर अछी ,
बाबा के धाम ।
उच्छैठ, श्यामा आ अहिल्या ,
माता के स्थान ।

माछ, दही , पान, मखान ,
अछी भोजन प्रधान।
पाग, खराम से होई छड़ ,

हम्मर अप्पन पहचान।

कोशी , कमला , बलान बहै ,
झिझरी , कजरी , सामा गीत।
मधुबनी पेंटिंग विश्वविख्यात ,
आ जाट - जट्टीन खेल।

मिथिला हम्मर जन्मभूमि ,
ई हम्मर पहचान अछी।
सदीखन मिथिला आगु बडा,
मनक इच्छा प्रधान अछी।

समता कुमारी
शिक्षिका, समस्तीपुर, बिहार।

|

-समता कुमारी, शिक्षिका, समस्तीपुर, बिहार।

गो बयनायक

शयन

मंतव्य editorial.staff.videha@gmail.com **दब दण्डा**

९.७.डा जियाउब बदमान जयानी- ९ ह्वा शाऊद गऊल



डा जियाउब बदमान जयानी

९ ह्वा शाऊद गऊल

१

दलद दुनदा कय गयाब

कबल मुदा नदि दुनदा दियाब

बाधा लाबी ऊऊ बदल गयि

ऊतां थ बेमल नंदकुमाब

दबला म नदि यानी तनिदा

दी बदति क अवलाब

कबल दमदां मोबिली बाऊव

कानि कबां त गतां दियाब

सूराक दिली की बाऊत गयि

बाऊ दछेत्त गयि नबसंदाब

दमदं दायी दमदं दागी

मिदि बढल बी ग्यावाब

नदि माबि दम तबिअक लल

नदि दमबा म बखु मुधाब

९

दम बडेत बी दिसाबक गथ

दना त्त मंअबक गथ

दमबा नदि समीवीन द्येत गथि

दिन म ऊ गंधकबक गथ

गक सब म दम माने बी

मंतब नदि डझाबक गथ

कयाक मंआ दम ऊ दाळत

बदलि ऊळत ऊंदाबक गथ

बाऊनीति क दम ऊनेत बी

दया, हन, मंदाबक गथ

दमबा ऊनि गदां तंत्त बी

त' ऊळत गदाबक गथ

कना दत्ता नन्द बाकी बखलक

दादी रू संमानक गद्य

सथादकीय टिप्पणी- जियाउब बद्मान जयानी जलन दिंदी-
उद्गम गजल लिखे बखि तलन दूबा ददब-कादिया बदे बनि
मुदा हुनक मेबिलीम गजलम ददब ने बदेगा जयानी ऊ
गकट्टा दिंदी गजल दह्रा रो गजलम ९९९-९९ कब दालन
कन बखि दबक दातिम या कादिया रू बनि सायताक संग बै



- डा. जियाउर रहमान जाफरी, शातकज्ञ ब्रह्म विभाग, मिड
गाल्तिव दौलत, गया बिहार, 823001, 9934847941

यदि मंत्य editorial.staff.videha@gmail.com दब दगाडा

७. संयुक्त दण्ड

७.३.३. दीयिका- यश्च माद्विग्रहयज्ञो विनायः (द्वितीयाश्च बायः)

७.३.३. दीपिका- वयसादिययत्ता विलासः (द्वितीयावबामः)

वयसादिययत्ता विलासः

(द्वितीयावबामः)



डा. वीर्यक

(यतमल्लोदकं वदवती-महाविद्यालयस्य व्याख्यानशास्त्रादिवत् य)

यस्यमादित्यकुमारी गायत्रीतिविक्रमसङ्ग्रहस्य नलवस्य-नामधेयः गद्यः
यद्वमं यद्यद्वस्य गतिं लक्षितं यद्वितः गवा दत्तमत्ततायश्चाम गद्य
गद्यस्य यद्वना ऊत्ता गतिं गद्य मूलतः तिविक्रमसङ्ग्रहस्योपिताः
मत्त-उद्भवामाः वत्तता गवं ऊनवृत्तिः वत्तत यत
गायत्रीतिविक्रमसङ्ग्रहः वाङ्मयी कथावत्तात मत्त-उद्भवामयस्यमव
लक्षनं कृतवाना यतः गद्याऽयम् यद्यत्तः।

तत् यद्वम उद्भवाम तिविश्वविद्यालयां वत्तनं वत्तता गद्यो गद्यस्य
यद्ववत्तताद्विद्वत् वत्तता यद्य लोकाद्य तिवस्य मवन्नं वत्तता गवमव
कमदवस्य वत्तनं, मवस्यस्याः मवन्नं, कश्चवेत्तित्ययं, कृत्वाविनिश्चय,
दुक्तनिनिश्चय, विद्वन्मनानां वद्वना, मङ्गलनदुक्तनयाः याद्वस्य,
गाद्विद्वत् मतिः, वद्वस्यममतिः, मद्वातावतकथावत्तनं,
वातातस्यगताश्चस्याः यत्तंमा, मत्तगल्लयवेत्तित्ययादीनां तिववत्तता
येद्य लोकाद्य दमवान गतिं गायत्र्यः।

गवमव गद्यवत्तात मश्च-मश्च यद्यवत्यागद्यवत्यां
कविर्वत्ताद्ववत्तनम्, गायवत्तवत्तनं, नियन्त्रायवीवत्तनं, नलवत्तनं,

महामास्त्रवतानं, नृयावतामवतानं, वयावतानं, त्रुववायातवतानं,
मुगया-विदाव-निश्चयवतानं, मुगयावतानं, त्रुववदत्तनं, त्रुववयतानं,
इन्द्रयुञ्जं वतानं, त्रुववज्या बाङ्ग विज्ञामवतानं, यावदयागमनं,
बाङ्गवोतुतलं, विदत्तवतानं, बाङ्गयतीवतानं, बाङ्गमिमावतानं,
यावदविमञ्जनं, बाङ्गदत्तावतानं यतूतीनां विदत्तवयतानं
विदत्तवतानम गीयान् यञ्च मनुष्यता

गोय वतनय लुदय्यावयन गायवतय यङ्गानम गसि
ताङ्गयन तावतवयय मूलययय वसोता यय निदङ्गनम
यवसिदितय गङ्गय-यङ्गय य वङ्ग नङ्गता

यसि समस्तविद्ययैवातागतायज्ञानामलीलायमानः, समानः सञ्चतया
नाकलाकथ, गायकविकबादश्च क्व नीबमथ मनाद्वहः, तीम
क्व तावतालक्ष्मावततः, कश्चाक्वमगुलथत्त क्ववागलीः
सर्वविद्यालाम्, गुनधीनत आकबल

कृत्वा द्रव्यं यद्वर्तते निधाताय सगलाय सबला विद्महे, यन्न वाति उत्पद्य
 कृत्व विदामितकनक कमलकुबलयो ज्जालित मञ्जरि
 दुष्प्रविश्रुतं सर्वार्थसमा

यप्रवयलश्चक्रवयक्रवाक्रवभ्रुवगभ्रुलीगभ्रिततीवया
तगीबद्धतयालकीति-

दत्ताकया, युगगमनसादानवीचीयमानविज्ञतबन्ध्या गङ्गाया
 दुय्यमलिलः ज्वावितघृयुतागालक्षतेकदत्तघ्न, साबः
 सकलसंसावयकय, तबन्धः दुय्यकाबिलास, शाबामा
 बागलीयककदलीवनय, धामधमय, शायदं मय्यदाम, शात्रयः
 त्रयमास शाकबः

साधुश्चवत्तावन्नानास, शाखायतवनमायमयाद्यायदत्तानामायावता
नाम दत्तः।

शाखावत्तश्च यज्जः कीदृताः लक्ष्याय वलानस गच्छन्तं समीचीनतया
कृतामिद-

याश्चानुववतधमकमप्यदत्ततामसमस्याधिश्रितिकनाः

युक्त्यायुयर्जीविचः सकलसंबन्धताजः यज्जः तद्वादि- कुश्याया
गाधिकायबाय, श्याट्यावत्ता वेयाकबलाय, सानियातसालय,
यदसंबन्धितिश्रितितायय, ततविदकनवादः सांध्यय, ऊयासिचिय,
गुणवृद्धिवनतमिय, गलगत्ता मन्थय, गणुक्कान्नं यवतवनतमिय,
तलदसयश्चष्टिकयतनय, दृश्यत न यज्जम् ॥ यत्
यतुवशायत्तातिताः सञ्चामा लव गामाः, तुङ्गसलकलतवनाः सवत्
नगा लव नगवयदत्ताः, सदायवमण्डनानि न्युवालीव युवालि,
सदानतागाः यतञ्जना लव ऊनाः, विद्यालयनसावालि योवनानीव
वनानि, विट्पिदिदिताश्चट्टिक लव वाट्टिकः, निवृत्तिज्ञानानि
मुकलतालीवञ्ज ऊतसञ्चालि, ऊलाविलऊलाः यत्तुयुक्कया
लवायमातामजागतागाः, कदितकयिकुलाकलिता लक्ष्म्यवकिंकवा
लव तमकुसुमकलङ्घनशायाः कयाः, दीवबाधमः सवित लव गावः,
सतीवतायदायाः सयञ्चुतय लव कुलसियः ॥ यत् य
मनादाविमावमङ्गन्नासयुक्कयल द्विगना याधिश्रितिताः
कदयवीगश्चवशा लव दृश्यमानवदुर्वीदयः कदाबाः।

किं ददना।

नासि सा नगवी यत् न वायी न ययाधवा।

दृश्यत न य यत् शी नवायीनययाधवा॥

शयि य

तवन्ति द्यागुन वृक्षताला विदलवाः॥

ऊयन्त न तु लाकथ कदापि न विदलवाः॥

उक्तवत्तनं न क्वत्तं तस्मालीनतावत्तथ वीतिश्रयं

यस्योता समसामयिकवाङ्मय विनिमालस शयि उक्तवत्ततल यव कर्तुं

तस्मत्त ल्पति निश्चययसा शयावत्तथ

वत्तः दुय्यतमाद्वत्तः कथामो न विद्या तवता

युक्ताऽनुक्तमयनेया ऊर्णोविव याऊनेः॥

(गुणवत्तत)

शयन मंतथ editorial.staff.videha@gmail.com यव दयाऊ



*Videha
e-Learning*

Gajendra Thakur

